अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिऐ : 9314505000

लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, बुधवार, 23 अगस्त 2023 | वर्ष : 14 | अंक : 09 | पृष्ठ : 8 | दैनिक प्रात: कालीन | मूल्य: 1 रूपया

कौन होगा हवामहल विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी?

हवामहल (GEN) विधानसभा सीट में मतदाताओं की संख्या लगभग 249,452 है

(अत्री कुमार दाधीच)

जयपुर। हवामहल सीट का अगर पिछले 20 सालों का इतिहास देखा जाए तो यहां एक बार कांग्रेस एक बार भाजपा जीतती आई है. साल 2018के विधानसभा चुनाव में महेश जोशी ने बीजेपी के सुरेंद्र पारीक को 9 हजार से ज्यादा वोटों से शिकस्त दी थी, महेश जोशी मौजूदा वक्त में गहलोत कैबिनेट में मंत्री हैं. महेश जोशी को 2018 के विधानसभा चुनाव में 85 हजार से ज्यादा वोट मिले थे, जबकि उनके प्रतिद्वंदी सुरेंद्र पारीक को क्षेत्र 76 हजार वोट मिले थे.

वहीं 2013 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर सुरेंद्र पारीक (बीजेपी) ने 69924 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी. उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी को 12715 मतों के अंतर से हराया. दूसरा स्थान (57209) वोटों के साथ बृज किशोर शर्मा (कांग्रेस) को मिला. तीसरा स्थान (4422) वोटों के साथ पप्पू कुरैशी (आईएनडी) का रहा. (2094) वोटों के साथ आईएनडी को चौथा स्थान को मिला.

चुनाव में कुल 143091 मत पड़े थे कुल 73.67% मतदान हुआ था

हवामहल सीट का इतिहास

सबसे दिलचस्प मुकाबला साल 2008 में देखने को मिला था, जिसमें कांग्रेस के ब्रजकिशोर शर्मा ने 580 वोटों से चुनाव जीता था और बाद में गहलोत सरकार में मंत्री भी बने. उन्होंने भाजपा की मंजू शर्मा को हराया था. ब्रजकिशोर शर्मा के खाते में 44926 जबकि मंजू शर्मा के खाते में 44346 वोट पड़े थे.

इस सीट के नाम एक रिकॉर्ड भी दर्ज है, यहां से भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे भंवर लाल शर्मा 6 बार विधायक चुने गए. 1977 में भंवर लाल शर्मा पहली बार कांग्रेस के रामेश्वर प्रसाद महेश्वरी को हराकर विधायक बने और साल 1998 तक लगाता 6 बार विधायक चुने गए. इस दौरान कांग्रेस की ओर से उनके खिलाफ महेश जोशी, बनवारी लाल गुप्ता, ऋषभ शाह जैसे नेताओं ने चुनाव लड़ा, लेकिन उनके आगे टिक नहीं पाए. इस दौरान भंवर लाल शर्मा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास आवासन और खेल मंत्री भी रहे. साथ ही इस दौरान वो भाजपा के 1989 प्रदेश अध्यक्ष भी बने.

सियासी और जातीय समीकरण

हवामहल विधानसभा सीट को मुस्लिम बाहुल्य सीट माना जाता है. यहां पर तकरीबन 90 हजार से ज्यादा मुस्लिम मतदाता है. इस सीट पर आज तक कोई भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं जीता है, लेकिन यहां बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाता रहते और व्यवसाय करते हैं.

यह विधानसभा क्षेत्र मुस्लिम बहुतायत क्षेत्र है मुस्लिम मतदाता जिस प्रत्याशी के साथ होते हैं वही प्रत्याशी विजय हासिल कर पाता है.

चर्चा है की हवामहल विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस

के वर्तमान विधायक महेश जोशी अबकी बार किशन पोल विधानसभा क्षेत्र से अपना मानस बना रहे हैं वहीं चर्चा है कि विधायक अमीन कागजी हवामहल से चुनाव लड़ने का मानस बना रहे हैं, वर्तमान विधायक महेश जोशी ने मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में कई विकास कार्य कराए हैं साथ ही कच्ची बस्ती में पट्टों का वितरण, पार्कों का विकास एवं कच्ची बस्तियों में पेयजल की समुचित व्यवस्था क्षेत्र के इलाकों में सड़क निर्माण जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में अग्रणी रहे हैं लेकिन इनके पुत्र पर लगे आरोपों से कुरैशी समाज में आंतरिक भारी रोष है यह आक्रोश चुनाव के समय कितना पक्ष या विपक्ष में होगा यह मतदान के समय देखा जा सकता है हालांकि महेश जोशी ने डैमेज कंट्रोल करने के लिए भरसक प्रयास किए हैं लेकिन यह डैमेज कंट्रोल कितना कर पाते हैं यह चुनाव के समय ही देखने को मिलेगा किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमीन कागजी हवामहल क्षेत्र से चुनाव लड़ने का मानस बना रहे हैं उनका मानना है कि महेश जोशी से मुस्लिम समाज नाराज होने के कारण इनको समाज का साथ होने से जीत आसान हो जाएगी अमीन कागजी का किशनपोल में काफी विरोध चल रहा है इसी के चलते यह हवा महल की तरफ अपना रुख कर सकते हैं.

मुस्लिम समाज सेवी अब्दुल रज्जाक भाटी भी

क्षेत्र से अपने दावेदारी दर्शा रहे हैं, यह कायम खानी समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं इनकी पत्नी दो बार क्षेत्र से पार्षद रह चुकी है स्वयं एक बार पार्षद का चुनाव लड़ कर हार चुके हैं ये प्रोफेशनल कांग्रेस एवम कच्ची बस्ती कांग्रेस के प्रदेश संयोजक के पद पर रहकर कच्ची बस्ती वासियों को पट्टे दिलाने में भूमिका अदा कर चुके हैं इन्हीं चीजों को आधार मानकर यह अपनी दावेदारी जता रहे हैं मुस्लिम समाज सेवी पप्पू कुरैशी एक बार निर्दलीय चुनाव लड़ कर 30,000 वोट हासिल कर चुके हैं इनको कुरैशी समाज का काफी समर्थन प्राप्त है इसके अलावा यह मुस्लिम समाज के लिए हमेशा तत्पर रहें हैं,कुरैशी समाज का महेश जोशी के प्रति आक्रोश को यह अपने पक्ष में देखते हैं हालाकि महेश जोशी के पुत्र पर लगे आरोपों में समझौता कराने में पप्पू कुरैशी ने अहम भूमिका अदा की थी जिससे इनका मानना है कि इस चुनाव में इनको इसका लाभ मिल जाएगा !

इसके अलावा पूर्व विधायक ब्रजकिशोर शर्मा

एक बार फिर हवामहल से अपनी ताल ठोकने का मानस बना चुके हैं वर्तमान में उन्हें मंत्री का पद मिला हुआ है लेकिन क्षेत्र में अपने पुराने रसुखों का चुनाव के लिए केसे इस्तेमाल करते हैं ये भविष्य की गर्त में है, लेकिन ये एक बार फिर से ताल ठोकने आलाकमान तक दौड़ लगा रहे हैं टिकट मिलना ना मिलना आलाकमान पर निर्भर है इसके अलावा मुख्यमंत्री के ओएसडी लोकेश शर्मा हवामहल क्षेत्र में ब्राह्मण बाहुल्य होने की वजह से अपने लिए सुरक्षित सीट मान रहे हैं लेकिन इनकी पकड़ मुस्लिम समाज में नहीं है इसकी वजह से दावेदारी काफी कमजोर नजर आती है हवामहल क्षेत्र में मुस्लिम समाज के एक और दावेदार उभरकर सामने आए हैं यह क्षेत्र से तीन बार पार्षद रह चुके हैं वर्तमान में इनकी पत्नी पार्षद है हाजी नवाब कलाल समुदाय से ताल्लुक रखते हैं इसके अलावा इनका मानना है मुस्लिम समाज पूरा इनको समर्थन करेगा इस आधार पर यह अपनी जीत को निश्चित मानकर ताल ठोक रहे हैं देखना है भारतीय जनता पार्टी की ओर से किस प्रत्याशी को मैदान में उतारा जाता है उसके आधार पर जीत हार का निर्णय हो सकेगा।

हवा महल विधानसभा क्षेत्र में कायमखानी समाज की बहुतायत होने के कारण प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत हुए असफाक हुसैन हवा महल विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ने का मानस बना चुके

हैं, आई ए एस से 2015 में सेवानिवृत होने के बाद निरंतर समाज सेवा में तत्पर रहे हैं उन्होंने समाज के लिए समाज की गरीब महिलाओं के लिए एवं बालिकाओं के लिए शिक्षा एवं अन्य समस्याओं के समाधान में अग्रणी भूमिका निभाई है, इनका मानना है कि राजनीति में आने के बाद समाज का और सुदृढ़ तरीके से उत्थान किया जा सके, इसी को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने हवामहल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव में अपनी ताल ठोकी है! असफाक हुसैन कायमखानी समाज के कई पदों पर कार्य कर चुके हैं। इनका परिवार पढ़ा लिखा होने से राजकीय सेवा में रहते हुए समाज के लोगो को हर क्षेत्र में मदद करने का प्रयास किया।

वहीं विधानसभा क्षेत्र किशनपोल तथा हवा महल

से युसूफ अली टांक भी कांग्रेस के लिए दावेदारी पेश कर रहे है, उनका कहना है कि मैं हमेशा सरल व्यक्तित्व के साथ पार्टी का आम कार्यकर्ता रहा हूं,में ईमानदारी ,मेहनत और बिना किसी लालच के प्रचार प्रसार की राजनीति से दूर रहकर, कोई भी व्यक्ति जिसको सेवा के रूप में आवश्यकता हुई है मैंने उसके सुख-दुख में तत्परता के साथ कार्य किया है अब तक बिना किसी पद की इच्छा रखते हुए कांग्रेस का सामान्य सक्रिय कार्यकर्ता बनकर आज तक लोगों की सेवा करता रहा हूं यही मेरा सामाजिक राजनीतिक परिचय है।

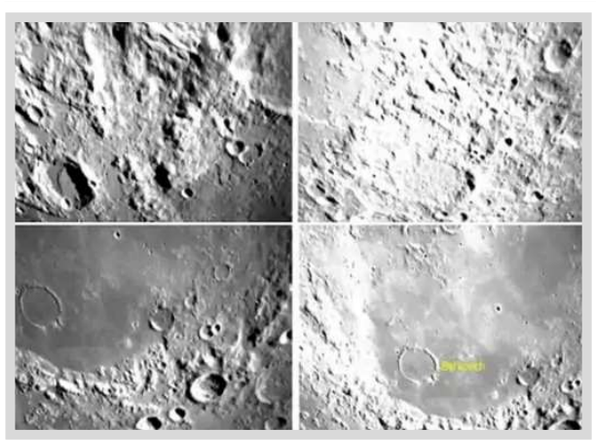

चंद्रयान-3 ने चांद की नई फोटो भेजीं आज शाम 6 बजकर 4 मिनट पर लैंडिंग

सुनीता विलियम्स बोलीं-उस पल का बेसब्री से इंतजार

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत का मून मिशन यानी चंद्रयान-3 का लैंडर 23 अगस्त को अपने तय समय पर यानी शाम 6:04 बजे ही चंद्रमा पर लैंड करेगा। मंगलवार (22 अगस्त) को इसरो ने मिशन की जानकारी देते हुए कहा कि सभी सिस्टम्स को समय-समय पर चेक किया जा रहा है। ये सभी सही तरह से काम कर रहे हैं।इसके साथ ही इसरो ने चांद की नई तस्वीरें शेयर की हैं, जो चंद्रयान-3 ने क्लिक की हैं। चंद्रयान ने 70 किलोमीटर की दूरी से लैंडर पोजिशन डिटेक्शन कैमरा (LPDC) की मदद से ये तस्वीरें खींचीं हैं। चंद्रयान-3 फिलहाल चांद पर लैंडिंग के लिए सटीक जगह खोज रहा है। इसे 25 किलोमीटर की ऊंचाई से लैंड किया जाएगा।भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने बुधवार को कहा कि चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर उतरने का मुझे बेसब्री से इंतजार है। मैं खुश हूं कि भारत अंतरिक्ष में रिसर्च और चंद्रमा पर स्थायी जीवन की खोज में सबसे आगे है।

चंद्रयान-3 से जुड़े दो अपडेट्स- चंद्रयान-3 पर मजाकिया पोस्ट करने पर एक्टर प्रकाश राज पर कर्नाटक के बागलकोट जिले में हिंदू संगठनों के नेताओं ने केस दर्ज कराया है और उन पर कार्रवाई की मांग की है। मिशन की सफलता के लिए देश में जगह-जगह पर हवन कराए जा रहे हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के वाराणसी का कामाख्या मंदिर, श्री मठ बाघंबरी गद्दी और महाराष्ट्र के मुंबई का चामुण्डेश्वरी शिव मंदिर शामिल है।

लैंडिंग के आखिरी 15 मिनट सबसे मुश्किल होंगे- चंद्रयान-3 के लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग में 15 से 17 मिनट लगेंगे। इस ड्यूरेशन को %15 मिनट्स ऑफ टेरर यानी खौफ के 15 मिनट्स कहा जा रहा है। अगर चंद्रयान-3 मिशन सफल होता है तो भारत का चंद्रमा के साउथ पोल पर उतरने वाला पहला देश बन जाएगा।चंद्रमा पर उतरने से दो घंटे पहले, लैंडर मॉड्यूल की स्थिति और चंद्रमा पर स्थितियों के आधार पर यह तय करेंगे कि उस समय इसे उतारना उचित होगा या नहीं। अगर कोई भी फैक्टर तय पैमाने पर नहीं रहा तो लैंडिंग 27 अगस्त को कराई जाएगी।चंद्रयान का दूसरा और फाइनल डीबूस्टिंग ऑपरेशन रविवार रात 1 बजकर 50 मिनट पर पूरा हुआ था। इसके बाद लैंडर की चंद्रमा से न्यूनतम दूरी 25 किलोमीटर और अधिकतम दूरी 134 किलोमीटर रह गई है। डीबूस्टिंग में स्पेसक्राफ्ट की स्पीड को धीमा किया जाता है।

मिशन 2030 से राजस्थान की प्रगति को मिलेगी गति,'युवाओं पर सबसे बड़ी जिम्मेदारी'-गहलोत

1 करोड़ प्रदेशवासियों से लिए जाएंगे सुझाव फिर तैयार होगा विजन 2030 डॉक्यूमेंट

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2030 तक राजस्थान को हर क्षेत्र में भारत का सिरमौर बनाने की दिशा में महत्वाकांक्षी 'राजस्थान मिशन-2030' का शुभारंभ किया। उन्होंने मंगलवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में मिशन के उद्घाटन समारोह में कहा कि प्रदेश की प्रगति को 10 गुना गति देने में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। राज्य सरकार 1 करोड़ लोगों से उनके सपनों के राजस्थान के लिए सलाह और सुझाव लेगी। इन्हीं के आधार पर 'विजन-2030 डॉक्यूमेंट' तैयार कर जारी किया जाएगा।गहलोत ने कहा कि राजस्थान सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, महिला सशक्तिकरण, रोजगार, आर्थिक विकास, आधारभूत सरंचना विकास, सोलर ऊर्जा, अनाज उत्पादन सहित हर क्षेत्र में देश का मॉडल स्टेट बन गया है। अब हमें वर्ष 2030 के राजस्थान के सपने को विजन-2030 डॉक्यूमेंट के जरिए साकार करना है। उन्होंने कहा कि इसमें युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका रहेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी ने मिलकर पिछले पांच साल में राजस्थान की प्रगति को 4 गुना बढ़ाया है। अब इसे वर्ष 2030 तक 10 गुना तक ले जाना है। इसके लिए आम आवाम से आह्वान है कि वे विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिए बहुमूल्य सुझाव-विचार साझा करें। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल में पक्ष-विपक्ष, धर्मगुरूओं, पुलिसकर्मियों, चिकित्सकीय समूहों और आमजन ने जिस तरह मिलकर राजस्थान में देश का सर्वश्रेष्ठ कोविड प्रबंधन किया। अब उसी एकजुटता से मिशन-2030 के लिए प्रदेश की प्रगति को गति देनी होगी। उन्होंने कहा कि विजन-2030 डॉक्यूमेंट प्रदेशवासियों की प्रगति का संकल्प बनेगा।गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने वादों और इरादों के जरिए प्रदेशवासियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया है। कुशल वित्तीय प्रबंधन से राज्य की आर्थिक प्रगति को गति दी है, अब इसे तीव्र गति से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट लाने वाला राजस्थान एकमात्र राज्य है।

संवाद और सुझाव-मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विशेषज्ञों, अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों और आमजन से संवाद किया। सभी ने प्रदेश की प्रगति में अपनी अपेक्षाएं, विचार और सुझाव बताए। बालिकाओं ने राजस्थान को महिला/बालिका सुरक्षा की दृष्टि से अग्रणी बनाने, उड़ान योजना के विस्तार, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था, ई-मार्केटिंग को बढ़ावा देने, विद्यालयों और महाविद्यालयों में करिअर ओरिएंटेड ट्रेनिंग कराने, उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की अधिकाधिक उपस्थिति अनिवार्य कराने, यूपीएससी की तरह आरपीएससी का कैलेंडर जारी कराने, एग्री टूरिज्म, एग्री फार्मिंग के प्रोत्साहन सहित अनेक सुझाव दिए।

पीएम मोदी BRICS समिट में शामिल होने जोहान्सबर्ग पहुंचे

एयरपोर्ट पर ट्राइबल डांस के साथ वेलकम हुआ, भारतीय मूल की महिला ने राखी बांधी

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी मंगलवार को 15वीं BRICS समिट में शामिल होने के लिए साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग पहुंच गए हैं। यहां उनका स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया। उन्हें रिसीव करने के लिए साउथ अफ्रीका के उपराष्ट्रपति पॉल शिपोकोसा मैशाटाइल वाटरक्लूफ एयरबेस पहुंचे। इस दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची भी वहां मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत साउथ अफ्रीका के ट्रेडिशनल ट्राइबल डांस के साथ किया गया। पीएम ने एयरपोर्ट पर भारतीय मूल के लोगों से भी मुलाकात की। PM के होटल पहुंचने पर वहां एक भारतीय मूल की महिला ने उन्हें राखी भी बांधी। PM मोदी 24 अगस्त तक जोहान्सबर्ग शहर में रहेंगे। इस दौरान वो BRICS के कुछ सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे।इससे पहले पीएम मोदी जुलाई 2018 में साउथ अफ्रीका गए थे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी BRICS समिट में शामिल होने के लिए जोहान्सबर्ग पहुंच चुके हैं। ऐसे में पीएम मोदी की उनसे मुलाकात हो सकती है। BRICS समूह में भारत के अलावा चीन, रूस, साउथ अफ्रीका और ब्राजील भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने स्वागत के इंतजार में राखी की थाली लेकर खड़े एक बच्चे से भी मुलाकात की।

जोहान्सबर्ग में होटल पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात की।

चंद्रयान-3 की कामयाबी के लिए देशभर में पूजा ढुआएं

एमपी, यूपी और महाराष्ट्र में हवन किया; लखनऊ में नमाज पढ़ी

उत्तर प्रदेश (एजेंसी)। भारत का मून मिशन यानी चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंड करने वाला है। पूरा देश चंद्रयान-3 को कामयाब होते देखना चाहता है। इसकी सफलता के लिए उत्तर प्रदेश में लोग पूजा-दुआएं कर रहे हैं। एक वीडियो में लोग बनारस के कामाख्या मंदिर में हवन करते हुए दिख रहे हैं। लखनऊ के इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में कई लोगों ने नमाज पढ़ी। **महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में किए हवन-**एक अन्य वीडियो में प्रयागराज में लोग श्रीमठ बाघंबरी गद्दी में हवन करते हुए दिख रहे हैं। शिव सेना नेता आनंद दुबे ने महाराष्ट्र के चंद्रमौलेश्वर शिव मंदिर में हवन किया। इसके अलावा, आगरा और वाराणसी से भी लोगों के हवन करने के वीडियो सामने आए हैं। इनमें लोगों ने चंद्रयान की सफलता के लिए प्रार्थना की।मध्य प्रदेश के खरगोन में भी चंद्रयान-3 की सफलता के लिए पुराने सिद्धनाथ महादेव मंदिर में पूजा और आरती की गई।

चंद्रयान-3 की कामयाबी से भारत को क्या हासिल होगा?अगर चंद्रयान के विक्रम लैंडर को सॉफ्ट लैंडिंग में सफलता मिली यानी मिशन सक्सेसफुल रहा तो अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। इसरो के एक्स साइंटिस्ट मनीष पुरोहित कहते हैं कि इस मिशन के जरिए भारत दुनिया को बताना चाहता है कि हमारे पास चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने और वहां रोवर चलाने की काबिलियत है।

कांग्रेस ने जारी की जिला चुनाव प्रभारियों की सूची

जयपुर (कासं)। राजस्थान में विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गई है। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को जिला चुनाव प्रभारियों की सूची जारी कर दी। विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर 19 अगस्त को कांग्रेस प्रदेश चुनाव समिति की बैठक हुई थी। बैठक में डोटासरा ने कहा था कि पार्टी में जल्द ही टिकट चयन की दिशा में काम शुरू हो जाएगा। इसके बाद आज पार्टी ने जिला चुनाव प्रभारियों की सूची जारी कर दी। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। बैठक में कई निर्णय लिए गए हैं। इसमें रणनीति बनाई गई की किस तरह से चुनाव में प्रत्याशियों का चयन किया जाएगा। इसके लिए पूरी तैयारी पर मंथन हुआ है।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और प्रदेश चुनाव समिति के चेयरमैन गोविन्द सिंह डोटासरा ने इस बैठक की अध्यक्षता की थी। बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान प्रभारी सुखजिन्द्र सिंह रंधावा, सचिन पायलट, सहप्रभारी काजी निजामुद्दीन, अमृता धवन, स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य गणेश गोडियाल, अभिषेक दत्त सहित प्रदेश चुनाव समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

1. **जितेंद्र सिंह और सालेह मोहम्मद को जयपुर सिटी और जयपुर ग्रामीण**
2. **रघुवीर मीणा और हरिश चौधरी को बीकानेर सिटी, बीकानेर ग्रामीण और टोंक**
3. **मोहन प्रकाश और रामेश्वर डूडी को अलवर और झुंझुनूं**
4. **प्रमोद जैन भाया और शकुंतला रावत को सिरोही, जालौर, प्रतापगढ़ और पाली**
5. **महेंद्रजीत सिंह मालवीय और रामलाल जाट को जैसमेलर, बाड़मेर, जोधपुर शहर उत्तर व दक्षिण और जोधपुर ग्रामीण**
6. **रमेश चंद्र मीणा और रघु शर्मा को बारां, झालावाड़ और सवाईमाधोपुर**

इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना महिलाओं एवं छात्राओं के लिए वरदान साबित -रामजीत सिह

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट बाड़ी राज्य सरकार के आदेशानुसार जिला कलेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल एवं उपखंड अधिकारी यशवंत सिंह मीणा एवं विकास अधिकारी रामजीत सिंह के निर्देशन मे इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के तहत पहले चरण मे सोमवार को ग्राम पंचायत अलीगढ़,बिजौली एवं नगर पालिका वार्ड संख्या 03 ,04 से पात्र लाभार्थियों को स्मार्ट फोन का वितरण किया गया मंगलवार को पंचायत समिति सभागार बाड़ी मे 125 लाभार्थियों को स्मार्ट फोन का वितरण किया गया इस दौरान विकास अधिकारी रामजीत सिंह,कनिष्ठ अभियंता योगेंद्र सिंह मीणा,पंचायत समिति प्रोग्रामर उमेश शर्मा, डीईओ तपेश बिधूड़ी, ग्राम विकास अधिकारी ब्रजकिशोर शर्मा,अमित कुमार शुक्ला,धीरज कुमार बंसल,पवन योगी,शिप्रा शर्मा,ममता अग्रवाल,दिव्यांश पचौरी,पूजा बंसल, शैलेन्द्र, राजेश वर्मा,अविता मीणा,अमित शर्मा, अरविंद, जोगेंद्र, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।*

25 अगस्त को राज्यभर में होगा नर्सेजों द्वारा सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट जिला धौलपुर के मनियां कस्बे में चल रहे। धरना-प्रदर्शन नर्सिंग ऑफिसर केशव देव मल्हैला के नेतृत्व में आज किया गया दो घण्टे का नर्सेज कार्मिकों द्वारा कार्य बहिष्कार सीनियर नर्सिंग ऑफिसर धनीराम शर्मा ने बताया कि 25 अगस्त को सम्पूर्ण राजस्थान के कोने कोने से पीएचसी से लेकर मेडिकल कॉलेज तक के समस्त नर्सेज अपनी लम्बित 11 सूत्रीय मांगों के लिए एकत्रित होकर राजधानी जयपुर में महारैली करेंगे ।इस अवसर पर सीएचसी मनियां से समस्त नर्सिंग ऑफिसर एक दिन के सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार में जयपुर सम्मिलित होंगे ।मदन सिंह कुशवाह नर्सिंग ऑफिसर ने सम्बोधित करते हुए बताया कि मनियां नर्सिंग ऑफिसरों द्वारा लगातार 3 अगस्त से कार्य बहिष्कार एवम् धरना विरोध प्रदर्शन जारी है ।

उक्त कार्य बहिष्कार के समय आपातकालीन सेवाओं को सुचारू व्यवस्थित रखा गया ।इस मौके पर नर्सिंग ऑफिसर प्रियंका मीणा ,राजेंद्र राठौड़ ,रामू सिकरवार ,धर्म सिंह गुर्जर,मदन सिंह, राजकुमार गुर्जर, सुगन सोड़वाल, पवन कुमार , धन सिंह , , कुसुम , राधा , काजल , ज्योति , एकता ,नीतू ,आरती ,राधा , रश्मि इत्यादि नर्सेज उपस्थित रहे ।

भाजपा के केंद्रीय विधायक ओमप्रकाश पहुंचे बाड़ी

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 को मद्देनजर रखते हुए भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय विधायक प्रवास के दौरान विधानसभा क्षेत्र बाड़ी के मंडल बिजौली में प्रवासी विधायक मथुरा (up) सीट से MLC विधायक श्री ओमप्रकाश सिंह जी का मंडल बिजौली में प्रवास का दूसरा दिन रहा।। तथा बिजौली मंडल एवं विधानसभा क्षेत्र बाड़ी के समस्त भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की सामूहिक बैठक बिजौली मंडल के मौनी बाबा मंदिर बसई डांग पर ली।।।बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बिजौली भाजपा रामवीर सिंह गुर्जर जी ने की।।।

भारतीय जनता पार्टी की स्थिति को जानने तथा कार्यकर्ताओं में जान फूंकने के लिए प्रवासी विधायक लगाए गए है ।। राजस्थान राज्य में भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत की सरकार और मिशन 2023 को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है ,,,

मथुरा से पधारे माननीय विधायक जी भाजपा की जीत कैसे सुनिश्चित हो इसके लिए विधानसभा क्षेत्र के हर एक भाजपा कार्यकर्ता से अपने सुनियोजित तरीके से बात कर रहे है और लगन एवं ईमानदारी से पूर्ण समर्पित होकर संगठन को हद से ज्यादा मजबूत बनाने पर जोर दे रहे है ,, और साथ ही विधायक जी का कहना है संगठन जितना मजबूत जीत उतनी ही शानदार तरीके से होगी ।बैठक के दौरान विधानसभा प्रभारी बाड़ी धर्मसिंह चौधरी, विधानसभा संयोजक विजय त्यागी, विधानसभा विस्तारक गिरधारी सिंह चौधरी , जिला उपाध्यक्ष भाजपा धौलपुर दिनेश बगथरिया, पूर्व विधायक बाड़ी जसवंत सिंह गुर्जर,जिला संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ भाजपा विष्णु सिंघल(सनौरा वाले), पूर्व जिला प्रमुख दुर्ग सिंह अंदाना, पूर्व प्रधान पूरन सिंह गुर्जर , प्रशांत परमार , रमेश कुशवाह, मंडल उपाध्यक्ष मलखान सिंह गुर्जर , मंडल महामंत्री गोपाल कोली, मंडल मंत्री रविन्द्र सिंह गुर्जर ,रामेश्वर सिंह सरपंच , भारत सिंह सरपंच, स्वामी बाबा, सरपंच अमिताभ सिंह , पूर्व सरपंच नगर श्री कृष्ण नेता जी, बनवारी , देवेंद्र सिंह डांग बसई, दिनेश गुर्जर, पंचायत समिति सदस्य दशरथ सिंह गुर्जर आदि 500 से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

विधानसभा प्रभारी जगदीश चौधरी पहुंचे बाड़ी

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट बाड़ी विधानसभा चुनाव को लेकर अब कांग्रेस भी सक्रिय रूप से क्षेत्र में नजर आ रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदेश की 200 विधानसभा में चुनाव प्रभारी लगाए हैं। जो विधानसभा में जाकर जिताऊ और टिकाऊ कैंडिडेट की तलाश करेंगे साथ में कार्यकर्ताओं के आवेदन भी लेंगे। इसी कड़ी में आज बाड़ी विधानसभा के प्रभारी बनाये गए। प्रदेश कांग्रेस सचिव जगदीश चौधरी ने बाड़ी कांग्रेस कार्यालय पर बाड़ी और सैपऊ मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ की बैठक ली और चुनाव लड़ने वाले कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों से आवेदन मांगे। साथ में उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आलाकमान राहुल गांधी का एक ही फार्मूला है कि जिताऊ और टिकाऊ कैंडिडेट को चुनाव लड़ाया जाए। ऐसे में कांग्रेस उसी फार्मूले पर काम करेगी।विधानसभा प्रभारी जगदीश चौधरी ने बताया कि वे जिताऊ और टिकाऊ कैंडिडेट की तलाश तो कर ही रहे हैं साथ में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा चलाई गई विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी भी कार्यकर्ताओं से ली जा रही है। गहलोत सरकार की जो योजनाएं हैं वह कहां तक पहुंची हैं। गांव-गांव तक उन योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है या नहीं। इसी को लेकर भी कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई है। विधानसभा प्रभारी ने आवेदन पत्रों की जिम्मेदारी सौपी।

ब्लॉक स्तरीय ग्रामीण ओलंपिक खेलों का समापन

विजेता टीमों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट ब्लॉक स्तरीय ग्रामीण ओलंपिक खेलों का समापन महाराणा प्रताप खेल मैदान में उपखंड अधिकारी यशवंत मीणा के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दाऊ दयाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विकास अधिकारी रामजीत सिंह ,अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कल्याण सिंह मीणा एवं अजय कुमार कौशिक, आरपी सुरेश भारद्वाज, मुख्य निर्णायक वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक अशोक कुमार शर्मा थे। समारोह में विजेता टीमों के खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दाऊ दयाल शर्मा एवं ग्रामीणओलंपिक खेल प्रभारी कल्याण सिंह मीणा ने बताया कि पंचायत स्तर पर विजेता टीमों ने ब्लॉक स्तर पर भाग लिया था। यह ब्लॉक स्तरीय ग्रामीण ओलंपिक खेल 17 अगस्त से प्रारंभ होकर 22 अगस्त तक महाराणा प्रताप खेल मैदान में आयोजित हुए। अलग-अलग खेलों के लिए अलग-अलग प्रभारी नियुक्त करके पूर्ण पारदर्शिता के साथ सभी खेल संपन्न कराए गए। ब्लॉक स्तर पर पुरुष वर्ग में विजेता टीम कबड्डी में टोटरी ,वॉलीबॉल में टोटरी ,टेनिस बॉल क्रिकेट में बहादुरपुर, फुटबॉल में सनोरा, शूटिंग बॉल में धनोरा जिला स्तर पर खेलेंगे। इसी तरह महिला वर्ग में विजेता टीम कबड्डी में बरपुरा ,खो-खो में टोंटरी,रस्साकशी में घड़ी खिराना ,वॉलीबॉल में नीमखेड़ा, टेनिस बॉल क्रिकेट में घड़ी खिराना एवं फुटबॉल में धनोरा जिला स्तर पर खेलेंगी उपखंडाधिकारी यशवंत मीणा ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए खेलों का विशेष महत्व है ,इसलिए खेलों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए ।मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दाऊ दयाल शर्मा एवं विकास अधिकारी रामजीत सिंह ने सभी विजेता टीमों को बधाई देते हुए ब्लॉक स्तरीय आयोजन में अपना सहयोग प्रदान करने वाले प्रधानाचार्य, शारीरिक शिक्षक एव शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में उपखंड अधिकारी सहित समस्त अतिथियों द्वारा ध्वज को उतारकर ओलंपिक खेलों के समापन की घोषणा की। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य हरिओम सिंह सिकरवार ने किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रजनीश रावत, राजेंद्र सिंह बघेला ,राम चरण लाल , रामनिवास मीणा ,विष्णु कुमार मीणा,द्वारका प्रसाद मीणा ,विष्णु कुमार शर्मा, राजेश गोस्वामी ,शंकरलाल ,वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक अशोक कुमार शर्मा, मुन्ना सिंह परमार ,वीरेंद्र सिंह परमार, उमादत्त शर्मा ,अशोक कुमार मीणा, पवन कुमार मीणा, हेमंत सिंह परमार , मीना शर्मा, राकेश कुमारी, कांता खटीक शिक्षक धीरज चंसोरिया, भारत भूषण भारद्वाज, मुकेश कुमार अग्रवाल ,होरीलाल ,विनोद कुमार मीणा ,हरिओम सिंघल सहित शारीरिक शिक्षक गण, टीमों के प्रभारी,शिक्षक एवं खिलाड़ी उपस्थित थे।

चंद्रशेखर मौर्य ने किया नव नियुक्त जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर का स्वागत

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट बसेडी विधानसभा भारतीय जनता पार्टी धौलपुर के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष आदरणीय सतेंद्र पाराशर का धौलपुर आगमन पर रूपवास में द्वारिका प्रसाद मौर्य के पुत्र चंद्रशेखर मौर्य ने फेंटा पहनाकर स्वागत किया और शुभकामनाये दी साथ मे ओमकार कटारा जी बसेड़ी विधनसभा संयोजक, प्रेम नारायण सोनी मंडल अध्यक्ष सरमथुरा, संजय पाराशर मंडल महामंत्री सरमथुरा, सोनू शर्मा नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका मंडल सरमथुरा,नितिन शर्मा और अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस की सरकार फिर से बनाने के लिए रणनीति तैयार की

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर, कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर चर्चा की और रूपरेखा तैयार कर राजस्थान सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने और कांग्रेस की सरकार फिर से बनाने के लिए रणनीति तैयार की । शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दयाचंद पचौरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में सेवर ब्लॉक अध्यक्ष दीनदयाल जाटव,शहर कांग्रेस के संगठन महामंत्री लोकपाल सिंह के अलावा महासचिव इंजीनियर जीवन लाल शर्मा, उपाध्यक्ष प्रेम सिंह प्रजापति, विशाल तिवारी, योगेश सिंघल सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे ।

चिंतन

मणिपुर में शांति के लिए सुझावों पर गौर करे केंद्र

मणिपुर में शांति की प्रक्रिया को तेज करने की जरूरत है। फिलहाल शांति प्रतीत हो रही है, लेकिन तनाव के बीज विद्यमान हैं। वहां अभी हालात नहीं सुधरे हैं। अतीत में उग्रवाद प्रभावित पूर्वोत्तर राज्यों में जरा सी भूल भारी पड़ सकती है। चीन व पाकिस्तान जैसी विरोधी शक्तियां पूर्वोत्तर में किसी भी चिंगारी को हवा देकर आग बनाने की ताक में रहती हैं। ऐसे में हमें सतर्क रहना चाहिए। भारत सरकार ने काफी मेहनत करके पूर्वोत्तर राज्यों में शांति के बीज अंकुरित किए हैं, ऐसे में मणिपुर में जातीय हिंसा इस अंकुरन की राह में बाधा बन सकती है। केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की गठित समिति के सुझावों को गंभीरता से लेनी चाहिए और मणिपुर में स्थाई शांति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। अभी सुरक्षा बलों की मौजूदगी से मणिपुर शांत लग रहा है, लेकिन अतिरिक्त सुरक्षा बलों के हटने के बाद भी शांति कैसे बनी रहेगी, इस मैकेनिज्म पर अमल आवश्यक है। चूंकि मणिपुर बीते तीन महीनों में कई बार हिंसा की आग में जल चुका है। इसमें अनेक घर तबाह हुए हैं, 50 हजार से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और करीब 160 से अधिक लोगों की जान गई है। वहां दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना हुई, जिससे समूचा देश शर्मसार हुआ। मणिपुर हिंसा और महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई थी। गत 7 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ितों को राहत और पुनर्वास और उन्हें मुआवजे की निगरानी के लिए हाईकोर्ट की 3 पूर्व महिला जजों की एक कमेटी गठित करने का आदेश दिया, इसके अलावा महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस प्रमुख दत्तात्रेय पडसलगीकर को आपराधिक मामलों की जांच की निगरानी करने के लिए कहा था। कोर्ट ने कहा था कि कमेटी सीधे रिपोर्ट पेश करेगी। बेंच ने कहा था कि कमेटी की अध्यक्षता जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट की सेवानिवृत्त चीफ जस्टिस गीता मित्तल करेंगी, जबकि कमेटी में बॉम्बे हाईकोर्ट की रिटायर जस्टिस शालिनी पी जोशी और दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जज आशा मेनन शामिल होंगी। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गीता मित्तल की अगुवाई वाली कमेटी ने दस्तावेजों के नुकसान और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण नीति की तर्ज पर मणिपुर मुआवजा योजना को अपग्रेड करने की जरूरत जैसे मुद्दों पर तीन रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को दी हैं। इनमें कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं। कहा गया है कि मणिपुर हिंसा के पीड़ितों के आवश्यक दस्तावेजों को फिर से जारी करने की जरूरत है। कमेटी ने हिंसा की वजह से जल गई बस्तियों को बड़ी समस्या बताया है। इन इलाकों की पहचान के लिए क्षतिग्रस्त और झुलसे हुए गांवों की जीपीएस मैपिंग से सहायता का सुझाव दिया गया है। मुआवजा बढ़ाने का सुझाव भी दिया है। कि शिविरों में रह रहे विस्थापित छात्रों को अन्य राज्यों के संस्थानों में भी इसी तरह समायोजित किया जा सकता है। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से समुचित सहायता मिलनी जरूरी है। कमेटी ने सुझाया है कि पुनर्वास के उपायों से यह सुनिश्चित होना चाहिए कि विस्थापित व्यक्तियों का पुनर्वास उन्हीं मूल स्थानों पर किया जाए जहां से वे विस्थापित हुए थे समिति के सुझावों को सुविधाजनक बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को आदेश पारित करेगा। सीबीआई मणिपुर हिंसा मामलों की जांच कर रही है। अभी जरूरत शांति बहाली की है, इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों की सलाह से उपायों पर अमल किया जाना चाहिए। पीड़ितों को राहत के साथ समुदायों के बीच विश्वास बहाली जरूरी है। सरकार को इस तरफ खास ध्यान देना चाहिए। दस याचिकाओं की सुनवाई कर रही शीर्ष अदालत के आदेश पर नजर रहेगी।

छत्तीसगढ़ क्यों बना है मॉडल?

जन्मदिन विशेष
रुचिर गर्ग

पांच बरस पहले जब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने काम की शुरुआत ही की थी उनकी दृष्टि में छत्तीसगढ़ की जरूरतें साफ थीं। सरकार बनने के बाद जब जिस दिन पहले हरेली के त्योहार पर भूपेश बघेल गेड़ी पर चढ़ते हैं और थोड़ी ही देर में पूरे छत्तीसगढ़ में गेड़ी और भौंरे का संगीत सुनाई देने लगता है उस दिन प्रेक्षकों को यह नजर आ रहा था कि छत्तीसगढ़ नई करवट ले रहा है। स्थानीय त्योहारों पर छुट्टियां और उन अवसरों पर राज्य के गांवों, गलियों, मोहल्लों में उत्साह इस रंग को गहरा करता गया।

उसी समय से यह भी साफ होता चला था कि छत्तीसगढ़ को लेकर भूपेश जी की समझ में सिर्फ मैदानी अनुभव नहीं हैं, सिर्फ मिट्टी की खुशबू नहीं है, सिर्फ संस्कृति के रंग नहीं बल्कि इस मिट्टी को हर तरह से उपजाऊ बनाने की एक साफ मानवीय दृष्टि है। बिना किसी भ्रम के।

भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ में विकास की जिस कल्पना को अमल में लाने की तैयारी कर रहे थे उसमें वो छत्तीसगढ़ था जिसे गरीब और अत्यंत पिछड़ा ही कहा गया था। लड़ाई लंबी थी क्योंकि बुनियाद हिली हुई मिली थी। बहुत पुराने अतीत में न भी जाएं तो भाजपा शासित छत्तीसगढ़ के पंद्रह बरस ही एक ऐसे विकास के गवाह थे जहां स्काईवॉक जैसे निर्माणों की चमक थी लेकिन बुनियादी परिवर्तन नहीं।

उस दौर के शासन में जिस तत्व का अभाव था वह तत्व था जनता की वास्तविक जरूरतों का आंकलन और छत्तीसगढ़ियत का, वह तत्व था छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान का, वह इस भूभाग की उस पुकार को अनसुना करना था जिसमें सिर्फ एक अलग राज्य की मांग नहीं थी बल्कि एक ऐसे राज्य की कामना थी जहां पहचान पर कोई संकट ना हो, जहां पहचान एक भरोसे और स्वाभिमान के साथ हो।

भूपेश बघेल के लिए इस परिवर्तन की जरूरत सिर्फ राजनीतिक और आर्थिक नहीं बल्कि एक सामाजिक लक्ष्य था। यह लक्ष्य इस मिट्टी की अस्मिता के एहसास का था। दरअसल यह कहानी अपनी पहचान से शुरू होती है और एक तरफ केंद्र की भाजपा सरकार थी जो अपना दूसरा कार्यकाल पूरा होते-होते साफ विभाजनकारी एजेंडा के साथ सामने है, दूसरी तरफ भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार है जिसने विभाजन की तमाम रेखाओं से परे उन मुद्दों को स्पर्श किया जो इस राज्य को, इस मिट्टी को ताकत देने वाले थे। पिछले पांच बरस इस बात के गवाह हैं कि छत्तीसगढ़ियत जिस विविधता के साथ बलरामपुर से सुकमा और राजनांदगांव से लेकर महासमुंद तक अस्तित्व में है उस विविधता को कभी नजरंदाज नहीं किया गया बल्कि उसे संबोधित किया गया क्योंकि लक्ष्य साफ था।

यह गवर्नेंस का एक ऐसा प्रयोग है जो आज देश के सामने एक मॉडल बना है। इसे कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने न्याय कहा और भूपेश बघेल ने न्याय के साथ स्वाभिमान जोड़ा और आज यह शासन का एक मॉडल है। राजनीतिक, आर्थिक मोर्चे पर इसकी शुरुआत बस्तर के लोहंडीगुड़ा में आदिवासियों की जमीन वापसी और छत्तीसगढ़ के किसानों की कर्ज माफी से होती है। फिर देश में सबसे अधिक समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी का फैसला होता है।

जब केंद्र की मोदी सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों को बोनस की राह में रोड़ा अटकाती है तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजीव गांधी न्याय योजना लेकर आते हैं। गौठान और गोबर खरीदी इसी दिशा में अगला कदम होता है।लघु वनोपजों के लिए समर्थन मूल्य से लेकर खरीदी जाने वाली वनोपजों की संख्या सात से सीधे सड़सठ करना, बिजली के बिल में बड़ी रियायत देना, डीएमएफ के लिए एक ऐसी नीति बनाना जिसमें स्विमिंग पूल जैसे निर्माणों की गुंजाइश खत्म करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य पर खर्च को केंद्र में रखा गया।

सिर्फ किसानों, पशुपालकों की जेब में सीधे पैसा डालने के बजाए उन लोगों को भी पैसा दिया गया जो इन क्षेत्रों में परोक्ष रूप से जुड़े थे। भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए न्याय योजना लागू करना, कोदो-कुटकी-रागी जैसे मिलेट उगाने वाले किसान से उनकी उपज समर्थन मूल्य पर खरीदना, दलहन तिलहन की खरीदी से लेकर गन्ना, चना, सोयाबीन के समर्थन मूल्य का दाम बढ़ाना जैसे निर्णय भी लिए गए। इतना ही नहीं, तेंदूपत्ता तोड़ने वाले आदिवासियों को पारिश्रमिक दिलाना, जिनके पास जमीनें नहीं थीं उन्हें वनाधिकार पट्टे जारी कर उनकी खेती के संसाधन तैयार करना, सबसे भूमिहीन आदिवासियों और विशेष पिछड़ी जनजातियों को शासकीय भूमि या वनाधिकार पट्टे की जमीन देकर उन्हें सामूहिक खेती से जोड़ने जैसे काम किये गए जिससे कम आमदनी वाले वर्ग भी गरीबी रेखा से ऊपर उठ सकें।

इन तमाम योजनाओं के आंकड़े अलग हैं लेकिन इनका असर अब नीति आयोग की रिपोर्ट में नजर आता है।पिछले पांच वर्षों में इस राज्य के चालीस लाख लोग अगर गरीबी रेखा से बाहर आते हैं तो यह इस बात का प्रमाण है कि पैसा सीधे गरीब की जेब में पहुंचा और उत्पादकता में गरीब की हिस्सेदारी बढ़ी।

कोरोना के समय ही छत्तीसगढ़ सरकार के विकास की दिशा की ताकत तब नजर आने लगी थी जब हजारों किलोमीटर पैदल चलकर अपने राज्य, अपने गांव लौटे श्रमिकों के पास काम था, जब देश की हालत से अलग छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था डगमगाई नहीं थी,जब छत्तीसगढ़ में बाजार का उत्साह बना हुआ था। सबसे महत्वपूर्ण था बेरोजगारी का मोर्चा। जब देश में बेरोजगारी चार दशकों में सबसे निचले स्तर पर थी तब छत्तीसगढ़ देश के सबसे कम बेरोजगारों वाले राज्यों में ऊपर था। स्वतंत्रत एजेंसियों के आंकड़े इन कहानियों से भरे पड़े हैं,लेकिन यहां बात आंकड़ों से परे एक राजनीतिक, सामाजिक दिशा की है।

दरअसल ये योजनाएं गिनने-गिनाने का मामला नहीं है। ये एक स्पष्ट राजनीति थी जिसके केंद्र में छत्तीसगढ़ की अस्मिता थी। छत्तीसगढ़ की आकांक्षाएं थीं और इन आकांक्षाओं में केवल सांस्कृतिक उद्धार शामिल नहीं था बल्कि आर्थिक मुद्दे भी उतने ही महत्वपूर्ण थे। इन आकांक्षाओं में राज्य की गरीबी और बेरोजगारी को संबोधित करने की चाह थी। इन आकांक्षाओं में छत्तीसगढ़ियत थी। इन आकांक्षाओं में सत्ताधीशों की प्लेट से काजू किशमिश को बाहर कर ठेठरी खुरमी को प्रतिष्ठित करने की कामना थी।

भूपेश बघेल एक तरफ मानवीय आर्थिक जरूरतों को महसूस करते थे दूसरी तरफ उनमें छत्तीसगढ़ियत के प्रतीकों को प्रतिष्ठित करने की ललक थी। ये ऐसे प्रतीक थे जो अब छत्तीसगढ़ की उस कथित मुख्यधारा में महत्व पाने लगे हैं जिनमें राजनीति है, नौकरशाही है, मीडिया है। छत्तीसगढ़ का अपना राजकीय गान अब क्षेत्रीय अस्मिता का महत्वपूर्ण प्रतीक है। जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायपुर की आमसभा में छत्तीसगढी में छत्तीसगढ़ महतारी को नमन करते हैं तब यह समझ आता है कि उन्हें भी यह समझ आ गया है कि छत्तीसगढ़ में जनाकांक्षाएं उसकी अपनी अस्मिता के कितना इर्दगिर्द हैं और पिछले पांच वर्षों में यह कैसे हुआ !

सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक मोर्चों के साथ-साथ आर्थिक मोर्चे पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिस रणनीति को अपनाया उसका लक्ष्य था गरीबों की जेब में सीधे पैसा पहुंचाना। दुनिया भर के अर्थशास्त्री संकट के समय इसी रणनीति के पक्षधर थे। इसी रणनीति ने राज्य के गरीबों को बड़ी ताकत दी। उनके जीवन स्तर में बदलाव का कारण यह रणनीति बनी। यहां रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर से लेकर नोबेल पुरुस्कार प्राप्त अर्थशास्त्रियों को उद्धृत किया जा सकता है। ऐसे तमाम लोगों की अकादमिक सिफारिशों को छत्तीसगढ़ व्यवहार में उतरता देख रहा था, एक मुख्यमंत्री के जमीनी अनुभव के साथ इस मिट्टी और इसकी अस्मिता की साफ समझ से। मिट्टी का अभिमान और जीवन स्तर में बदलाव की आर्थिक नीतियों से मिलकर बना यह एक मॉडल है।

इस मॉडल में उन्माद नहीं है, नफरत नहीं है, विभाजन नहीं है, इसमें अपनत्व की खुशबू है, संगीत है, स्वाद है, बेहतरी की आकांक्षा है। छत्तीसगढ़ में अब और आने वाले समय में भी शासन की इबारत यही होगी इतना तो तय हो गया है। हालांकि यह आसान नहीं है क्योंकि यह बहुत सारी प्रतिबद्धताओं और संवेदनाओं के साथ ही संभव है। चुनौती यह हमेशा होगी कि इस मॉडल ने जिंदगियां बदलने के जो पैमाने गढ़े हैं वो और बेहतर हों, जनता को अधिकार संपन्न बनाने वाले हों, एकता और सद्भाव की छत्तीसगढ़ी विरासत को उसी संपन्नता के साथ आगे ले जाने वाले हों और सबसे महत्वपूर्ण लोकतंत्र पर मंडरा रहे तमाम खतरों के बीच अधिक से अधिक लोकतांत्रिक हों। भूपेश जी छत्तीसगढ़ की इस नब्ज़ को पहचानते हैं।

शरणागति के संत 'गोस्वामी तुलसीदास'

संकलित
दर्शन

भगवान शंकर जी ने भी विष पिया और गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी। दोनों ने समाज को रामकथामृत देकर धन्य कर दिया। संसार में और समुद्र में अमृत-मंथन करने पर विष अवश्य निकलेगा, पर उसमें राम को जोड़ दिया तो वह विष भी अमृत हो जाएगा। यही तुलसीदास जी ने किया : *गरल सुधा रिपु करहिं मिताई, गोपद सिंधु अनल सित लाई। गरुड़ सुमेरु रेनु सम ताही, राम कृपा करि चितवा जाही।।* राम नाम के प्रति गोस्वामी जी की आस्था तो सावन मास के अंधे की तरह थी, जिन्हें राम प्रेम में सब हरा ही हरा दिखाई देता था। राम की कृपा के प्रति गोस्वामी तुलसीदास जी की यह जो दीनता और शरणागति है, यही उनका चरम पुरुषार्थ है। कृपा के मूल में पुरुषार्थ नहीं होता है, अपितु पुरुषार्थ के मूल में कृपा होती है। रामचरितमानस कृपासाध्य ग्रंथ है, साधन साध्य नहीं। कर्म, उपासना, साधन, अनुष्ठानादि सब ठीक हैं, पर यह सब पाने के साधन हैं, किंतु जिसके जीवन में प्राप्तव्य ही कृपा से प्राप्त हुआ हो, वह क्या करे? रामचरितमानस में पुरुषार्थ के चरम आदर्श श्री लक्ष्मण जी और कृपा के चरम आदर्श श्री भरत जी दोनों के आदर्श और सर्वस्व श्रीराम हैं। इसका तात्पर्य यह है कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने वाल्मीकि जी, व्यास जी और जितने भी श्रेष्ठतम पुराणकार हुए सबकी वंदना की है, पर उन्होंने अपने ग्रंथ में न तो इतिहास को उठाया, न किसी ग्रंथ से कुछ लिया। इसीलिए श्रीरामचरितमानस भक्तों के हृदय सिंहासन पर विराजमान हो सका।

ज्यादा महत्वपूर्ण है काम करते रहना

संकलित
प्रेरणा

एक प्राचीन कथा के मुताबिक, ब्रह्मा और विष्णु ने शिवलिंग के मस्तक और पैरों की खोज शुरू की। ब्रह्मा को शिव का मस्तक ढूंढने का और विष्णु को शिव के पैर ढूंढने का कार्य सौंपा गया। सभी देवता इसके आरंभ और अंत के विषय में जानने के लिए उत्सुक थे। ब्रह्मा ने अपनी यात्रा आरंभ की और वे आगे बढ़ते गए। कई लोक पीछे छूट गए और कई युग बीत गए। फिर भी ब्रह्मा शिव के मस्तक का पता नहीं लगा पाए। सृष्टि का एक अंत है। सृजन एक बिंदु पर समाप्त होता है। ब्रह्मा ने अपनी यात्रा उसके बाद भी जारी रखी। उन्होंने एक केतकी का पुष्प देखा जो आकाश से नीचे आ रहा था। ब्रह्मा ने केतकी पुष्प से पूछा, 'तुम कहां से आ रहे हो? क्या तुमने शिव का मस्तक देखा है? यहां से शिव का मस्तक कितनी दूर है?'केतकी पुष्प ने कहा, 'मैं शिव के मस्तक से आ रहा हूं।' तो ब्रह्मा ने निष्कर्ष निकाला कि शिव का एक मस्तक था और वे पुष्प लेकर नीचे आए। विष्णु का कार्य शिव के पैरों की खोज करना था। ऐसा कहा जाता है कि विष्णु बहुत विनम्र हैं। पालनकर्ता को हमेशा बहुत विनम्र होना चाहिए। रचयिता जैसा भी हो, यदि पालनकर्ता विनम्र हो, तभी पालन कार्य संभव है। व्यवसाय आरंभ करना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन आपको व्यवसाय चलाने के लिए बहुत सतर्क, बहुत विनम्र रहना पड़ेगा, अन्यथा व्यापार डूब जाएगा। विष्णु की विनम्रता ने ही उन्हें शिव के चरणों को ढूंढने का कार्य करने योग्य बनाया। युगों तक यात्रा करने के बाद, विष्णु शिव के चरणों को ढूंढने में सक्षम नहीं हुए।

सारा संसार

भगवान विष्णु को समर्पित और 108 दिव्य देसमों में से एक, उलगलांथर पेरुमल मंदिर, तमिलनाडु के कांचीपुरम शहर में कामाक्षी अम्मन मंदिर के बहुत पास स्थित है। मंदिर महान ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व रखता है और दुनिया भर के अनुयायी इस मंदिर के दर्शन करने के लिए आते हैं।

तुलसीदास जयंती
डॉ सूर्यकांत मिश्र

रामबोला से तुलसीदास तक का लंबा सफर

तकलीफों और कठिनाइयों से भी कोई महान बन सकता है, इसका सबसे बड़ा प्रमाण गोस्वामी तुलसीदास के जीवन चरित्र से प्राप्त होता है। तुलसीदास ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे। उनके जीवन के संघर्ष ने ही उन्हें भगवान राम का भक्त बना दिया और आगे संत तुलसीदास बना दिया। बचपन में रामबोला के नाम से पहचाने जाने वाले तुलसीदास का संत बनना हिंदू और सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए वरदान बन गया। इस वर्ष अधिक मास होने से द्वितीय श्रावण शुक्ल सप्तमी 23 अगस्त को उनकी जयंती मनाई जाएगी। तुलसीदास का जीवन भी एक साधारण मनुष्य की भांति ही चल रहा था। माताजी के जल्दी स्वर्ग सिधार जाने से वह अकेले हो गए। जब उनका विवाह हुआ तो वे पत्नी के प्रेम में डूब गए। उन्हें इस बात का एहसास भी नहीं हो पाया कि उनका पत्नी प्रेम कब आसक्ति बन गया! पत्नी के मायके चले जाने पर वे दुखी रहने लगे। पत्नी के बिना मन ना लगने से वे रात में बिना कुछ विचार किए उफनती यमुना नदी को पार करने एक सहारे पर बैठ गए। जब वे किनारे पहुंचे तब उन्हें ज्ञात हुआ कि वे जिस सहारे की बदौलत पार उतरे हैं वह एक शव है! नदी पार उतर कर जब वे अपनी ससुराल पहुंचे तब लाख प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुल पाया। पत्नी प्रेम के वशीभूत उन्होंने कक्ष में प्रवेश करने के लिए दीवार को लांघने का प्रयास शुरू किया। ऊंची दीवार को लांघने में वे कामयाब नहीं हो पा रहे थे। अचानक उन्हें दीवार पर एक रस्सी लटकी दिखी,जो खिड़की पर टंगी दिख रही थी। उन्होंने झट से उस रस्सी को पकड़ा और दीवार पार कर गए। पता चला कि जिसे वे रस्सी समझ रहे थे वह वास्तव में एक बड़ा सांप था! वे जैसे ही अपनी पत्नी के कक्ष में पहुंचे, उनकी पत्नी लोक-लाज के भय से कांप उठी। उन्होंने उस वक्त के राम बोल पर अपनी पीड़ा उड़ेल दी और लोक लाज वश उन्हें तिरस्कृत करते हुए कहा- 'लाज न आई आपको, दौरे आएहु नाथ,अस्ति चर्म मय देह यह, ता सो ऐसी प्रीत, नेकु जो होती राम से, तो काहे भवभीत।।' अर्थात मेरी हाड़-मांस कि देह से प्रेम के बजाय अगर राम से इतना प्रेम किया होता तो जीवन सुधर जाता! पत्नी द्वारा क्रोध में कही गई यही बातें थी, जिनके चलते रामबोला, तुलसीदास बनने के मार्ग में प्रशस्त हो चले। राम के नाम का अनवरत उच्चारण करने वाले तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना कर डाली। यूं तो उन्होंने अन्यान्य ग्रंथों की रचना की, किंतु रामचरितमानस ने उन्हें युगकालीन संत बनाकर दिया। गोस्वामी तुलसीदास जी ने आम जनों को विपत्ति से बचने बड़ी बात कही है - 'तुलसी साथी विपत्ति के , विद्या विनय विवेक, साहस, सुकृत, सुसत्य व्रत, राम भरोसो एक' अर्थात किसी विपत्ति के समय आपको सात गुण बचाएंगे- आपका ज्ञान, आपकी विनम्रता, आपकी बुद्धि, आपके भीतर का साहस, आपके अच्छे कर्म, सच बोलने की आदत और ईश्वर में विश्वास।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं ये उनके अपने विचार हैं।)

जन्मदिन विशेष
सुशील आनंद शुक्ला

अपनी धुन के पक्के राजनेता है भूपेश बघेल

23 अगस्त को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपना जन्मदिन मना रहे है इस वर्ष का उनका जन्मदिन इस लिहाज से भी खास हो जाता है कि अपने इस जन्मदिन के साथ ही वे मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल का 5 वर्ष भी पूरा करने वाले है। यह समय इस आंकलन के लिये भी सुअवसर है कि उनकी सरकार इन पांच वर्षो में जन आकांक्षाओ पर कितना खरा उतर पाई है। 5सालो मे 40 लाख लोगो को ग़रीबी रेखा से निकालने की उपलब्धि सरकार और उसके मुखिया की सफलताओं को बताने के लिए पर्याप्त है। मुख्यमंत्री के रूप में 5 वर्ष के कार्यकाल में भूपेश बघेल ने जो लोकप्रियता और राष्ट्रीय ख्याति हासिल की है ऐसा दूसरा उदाहरण विरला ही मिलेगा। भूपेश बघेल के व्यक्तित्व का ठोस पहलू उनकी जुझारू प्रविति है जो लक्ष्य निर्धारित कर लिया फिर उससे पीछे हटने की उनकी तासीर नही है। उनकी सहजता और परिस्थितयो से निपटने का सकारात्मक नजरिया ही उनकी सफलता के सबसे बड़े कारण हैं।

2014 में जब उन्हें प्रदेश कांग्रेस की बागडोर सौपी गयी तब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस तीन विधानसभा चुनाव हार चुकी थी। तीनो ही विधान सभा चुनाव कांग्रेस बहुत नजदीकी मुकाबले में लक्ष्य से चूकी थी ।2013 के विधान सभा चुनाव की हार पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अप्रत्याशित थी। मई 2013 में जीरम नक्सल हमले में शीर्ष नेताओं की शहादत के 6 माह बाद हुए विधानसभा चुनावो की इस हार ने कांग्रेस कार्यकर्ताओ निराश और हताश कर दिया था ।प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भूपेश बघेल को विरासत में इन्ही हताश निराश कार्यकर्ताओ की फौज मिली थी। अध्यक्ष बनने के बाद निराश कार्यकर्ताओ की फौज की ताकत को एक नई ऊर्जा में बदल कर लक्ष्य की ओर अग्रसर करना उनके सामने बड़ी चुनौती थी।

जुझारू प्रवृत्ति का नेता होने के कारण उन्हें यह भी भली भांति मालूम था कि कार्यकर्ताओ की ऊर्जा बनाये रखने के लिए यह आवश्यक है कि उनके साथ रोज नए मुद्दे ले कर मैदान में डटा रहा जाए। उनका कहना था भले ही हम चुनाव हार गए है लेकिन प्रदेश की जनता ने कांग्रेस पर उतना ही भरोसा जताया है जितना की सत्तारूढ़ भाजपा पर अतः जनहित की लड़ाई में जरा भी कोताही नही बरतना है, यही कारण था कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी सम्भालने के दस दिन के अंदर ही उन्होंने राशन कार्ड घोटाले के मुद्दे को ले कर पूरी कांग्रेस पार्टी को प्रदेश भर के थानों में ला खड़ा किया। कोई कल्पना भी नही कर सकता था कि कुछ महीने पहले तीसरी बार चुनाव हार चुका दल इतना भी आक्रमक हो सकता है।

अंतागढ़ उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी की खरीद फरोख्त के बाद भूपेश बघेल यह समझ गए थे कि बाहरी मोर्चे के साथ पार्टी के अंदर भी दोनों मोर्चो पर बराबरी की लड़ाई लड़ना है। उन्होंने अजीत जोगी और उनके पुत्र को पार्टी से बाहर निकालने का जो निर्णय लिया वह राजनैतिक प्रेक्षकों के लिए आश्चर्य जनक था इस निर्णय के साथ राजनैतिक विश्लेषक भी दो मतों में बंट गए कुछ का कहना था जोगी को कांग्रेस से निकाल कर कांग्रेस ने अपने पैर में कुल्हाड़ी मार लिया दूसरा मत था जो मानता था कांग्रेस ने सत्ता प्राप्ति का अपना मार्ग प्रशस्त कर लिया।भूपेश बघेल का कहना था हमने तीन चुनाव उनके साथ लड़ा एक उनके बिना भी लड़ कर देख लेते है। ऐसा साहस भूपेश जैसे जिगर वाला नेता ही दिखा सकता था। दिसम्बर 2018 में मुख्यमंत्री बनने के तीन घण्टे के अंदर किसानों का कर्ज माफ करने और 2500 रु. में धान खरीदी का निर्णय ले कर भपेश बघेल ने साफ संकेत दे दिया था कि उनकी सरकार की प्राथमिकता में खेती ,गांव गरीब और किसान रहने वाले है।

कुशल प्रशासक के नाते उन्होंने राज्य के चहुमुखी विकास की ओर ध्यान दिया ।सरकार की योजनाओं के केन्द्र में भले ही किसान और गांव हो लेकिन राज्य की औद्योगिक और व्यापारिक प्रगति में किसी भी प्रकार की बाधाएं नही आये इसके लिये उन्होने पूरे इंतजाम किए ।उद्योगों की जमीन फ्री होल्ड करने के साथ उद्योगों को बिजली पानी की उपलब्धता के साथ फूड और खाद्य पदार्थ आधारित उद्योगों के लिए विशेष योजनाएं बनवाया । 5 डिसमिल तक जमीनों की बन्द रजिस्ट्री को शुरू करना , भूमि की कलेक्टर गाइड लाइन में कमी ,जमीनों के डायवर्सन के नियमो में ढिलाई देने के लिए भूपेश बघेल जैसी ही समग्र दृष्टि चाहिए। पौने 5 साल की सरकार में अपने घोषणा पत्र के 36 में 95 प्रतिशत वायदे पूरा कर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपनी वायदों को पूरा करने की वचन बद्धता को दिखाया है। 700 से अधिक स्वामी आत्मानंद स्कूल भूपेश बघेल की सुदृढ़ मजबूत शिक्षित छत्तीसगढ़ बनाने की इच्छाशक्ति का ही नतीजा है।

नरवा गरवा घुरवा बाड़ी के बाद राजीव गांधी किसान न्याय योजना तथा गौ धन न्याय योजना मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की समग्र ग्राम्य विकास की सोच को प्रदर्शित करता है।

वे कहते है पिछली सरकार के विकास के मायने बड़ी बड़ी अट्टालिकाएं बनाना था हमारे विकास के केंद्र में आम आदमी का शशक्ति करण है ।बड़े बड़े भवन बना कर आप विकास का दिखावा तो कर सकते है लेकिन जब तक हम आम आदमी को शसक्तीकरण नही करेंगे उनके रोजगार की दिशा में ध्यान नही देंगे सही मायने में हम विकास से दूर रहेंगे यही कारण है छत्तीसगढ़ सरकार ने तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय 2500 से बढ़ा कर 4000 रु कर दिया। 65 लघुवनोपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य में खरीदने की शुरुआत की गई ।केंद्र सरकार के लाख अवरोध के बाद के धान उत्पादक किसानों को 2500 रु मूल्य मिले इसके लिए योजना बनाया गया।राज्य बहुफसली कृषि की ओर बढ़े इस हेतू राजीव गांधी न्याय योजना में मक्का ,गन्ना ,दलहन उत्पादक किसानों के साथ सीमांत और भूमि हीन किसानों की सशकक्तीकरण पर जोर दिया गया। गो धन न्याय योजना में गोबर खरीदने की जो अभिनव योजना उन्होंने शुरू की तब वैचारिक रूप से कांग्रेस के चिर विरोधी रास्ट्रीय स्वयम सेवक संघ के पदाधिकारी भी इसकी तारीफ करने से खुद को रोक नही पाए मुख्यमंत्री निवास उनका अभिनन्दन करने पहुच गए। धमतरी के कंडेल से गांधी जी की याद में पद यात्रा निकाल कर उन्होंने स्पष्ट सन्देश दिया कि उनकी सरकार गांधी जी के आदर्शों पर चलने वाली है ।नरवा गरवा घुरवा बाड़ी उन्होंने अपने घोषणा पत्र में शामिल किया था तब भी विपक्षी उनके इस योजना के निहितार्थ को नही समझ पाए थे ।जब उन्होंने गो धन न्याय योजना शुरू की तब आरएसएस जैसा घोर कांग्रेस विरोधी संगठन भी यह समझ गया कि भूपेश बघेल ने महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज को साकार करने को जो बीड़ा उठाया है इसकी सफलता में सन्देह की कोई गुंजाइश नही ।

श्री राम वन गमन मार्ग संरक्षण से ले कर कौशल्या माता मंदिर के सौंदर्यीकरण ,के साथ छत्तीसगढ़ी तीज त्योहारों को मुख्यमंत्री निवास में मनाने की परंपरा शुरू कर भूपेश बघेल ने साबित कर दिया कि उनका अपनी संस्कृति और माटी से कितना नजदीकी जुड़ाव है तथा एक राजनेता के नाते वे जन समुदाय की नब्ज टटोलना वे बेहतर जानते है। 2019 के लोकसभा चुनावों में और उसके पहले 2018 के विधानसभा चुनावों राहुल गांधी ने अनेको जन सभाओ में जनता के सामने कांग्रेस की सरकारों का जो विजन प्रस्तुत किया था भूपेश बघेल उस विजन को साकार रूप देने में पूरी तन्मयता से जुटे हुए है,2019 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार नही बनने से राहुल जिस न्याय योजना को देश मे नही लागू करवा पाए भूपेश बघेल उस न्याय योजना को विभिन्न स्वरूपो में छत्तीसगढ़ में लागू करने में सफल रहे हैं।

(लेखक प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रमुख हैं)

ट्रेंड

वैकल्पिक उर्वरक को बढ़ावा

कृषि मंत्रियों के साथ राज्यों में नैनो यूरिया व नैनो डीएपी के उपयोग को बढ़ाने के पीएम मोदी द्वारा मिट्टी की सुरक्षा व वैकल्पिक उर्वरक के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु शुरू की गई पीएम प्रनाम योजना के संदर्भ में उठाए जा रहे कदमों की भी समीक्षा की।
-मनसुख मंडाविया, केंद्रीय मंत्री

दिव्यांग महिलाओं की रक्षा

दिव्यांग महिलाओं और लड़कियों को हिंसा का अधिक खतरा होता है- विशेषकर संघर्षों और संकटों के दौरान। हम दिव्यांग महिलाओं और लड़कियों को हिंसा से मुक्त रहने का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए काम करना कभी बंद नहीं करेंगे।
-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

काम नहीं रुकने देंगे

इन लोगों ने दिल्ली वालों के काम रोकने की कोशिश की, लेकिन मैं हर दिल्लीवासी को ये भरोसा दिलाता हूं कि कोई काम रुकने नहीं दूंगा। 5 नए मोहल्ला क्लीनिक की शुरुआत की। लोगों को मोहल्ला क्लीनिक से बहुत फ़ायदा मिलता है।
-अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

क्या छुपाने की कोशिश

मैं पीड़िता बच्ची या उसके परिवार से मिलने के लिए अस्पताल के बाहर बैठी हूँ। रात को अस्पताल के बाहर ही सोई। एनसीपीसीआर को लड़की की मां से मिलवा सकते हैं तो मुझे क्यों रोकने के लिए बोला गया है? क्या छुपाने की कोशिश है?
-स्वाति मालीवाल, अध्यक्ष डीसीडब्ल्यू

मंज़िल उन्हीं को मिलती है , जिनके सपनों में जान होती है!!
पंख से कुछ नहीं होता , हौसलों से उड़ान होती है!

एक्सप्रेस न्यूज

चुनाव परिणाम पलटने के आरोप, सरेंडर करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह जॉर्जिया चुनाव हस्तक्षेप मामले में गुरुवार को अटलांटा में खुद को अधिकारियों के हवाले कर देंगे। जॉर्जिया राज्य में 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को पलटने के कथित प्रयासों को लेकर ट्रंप और 18 अन्य को 14 अगस्त को दोषी ठहराया गया था। श्री ट्रंप पर 13 मामलों का आरोप लगाया गया था। फुल्टन काउंटी डिस्ट्रिक्ट अॉर्नी फानी विलिस द्वारा ढाई साल की जांच के बाद अभियोग लगाया गया। जांच जनवरी 2021 के एक फोन कॉल से ऑडियो लीक होने के बाद शुरू की गई थी, जिसके दौरान ट्रम्प ने जॉर्जिया के राज्य सचिव ब्रैड रैफेंसपर्गर से हजारों मतपत्रों की वैधता पर सवाल उठाने का आग्रह किया था, खासकर भारी डेमोक्रेटिक अटलांटा क्षेत्र में।

पाक का झंडा बेचने पर की तोड़फोड़

मुंबई, (एजेंसी)। नागपुर में मंगलवार को राज ठाकरे की पार्टी महा नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने अमेजन ऑफिस में तोड़फोड़ की। कार्यकर्ता अमेजन पर पाकिस्तान के झंडे बेचे जाने को लेकर नाराज थे। उन्होंने आरोप लगाया कि वो ऑनलाइन पाकिस्तानी झंडे बेच रहे हैं। साथ ही 24 घंटे के अंदर घर भी पहुंचा रहे हैं। इसके बाद वे नारेबाजी करते हुए बैद्यनाथ चौक स्थित अमेजन ऑफिस में घुसे और अंदर रखी कुर्सियां और टेबल तोड़ दीं।

फुकुशिमा एनपीपी से जल निर्वहन 24 से शुरू होगा

टोक्यो, (एजेंसी)। जापानी पीएम फुमियो किशिदा ने कहा कि अगर मौसम और समुद्र की स्थिति अनुकूल रही तो फुकुशिमा एनपीपी से उपचारित रेडियोधर्मी पानी को समुद्र में छोड़ना 24 अगस्त से शुरू हो जाएगा। श्री किशिदा ने कहा कि हां तक विशिष्ट छोड़ने की तारीखों का सवाल है यदि मौसम व समुद्र की स्थिति अनुकूल रही तो हम 24 अगस्त पर भरोसा कर रहे हैं। जापान ने शुरू में इस बसंत में स्टेशन से 0.6 मील दूर समुद्र में ट्रिटियम को छोड़कर सभी रेडियोन्यूक्लाइड से शुद्ध पानी का निर्वहन शुरू करने की योजना बनाई थी।

इंडिगो एयरलाइंस में बुजुर्ग यात्री को उल्टी, हुई मौत

नागपुर, (एजेंसी)। इंडिगो एयरलाइंस की एक मुंबई-रांची उड़ान को सोमवार शाम नागपुर के बाबासाहेब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, क्योंकि एक बुजुर्ग यात्री को आपातकालीन चिकित्सा की आवश्यकता थी। यह जानकारी एक अधिकारी ने मंगलवार को दी। देवानंद तिवारी (62) नामक एक पुरुष यात्री को रात लगभग आठ बजे खून की उल्टी होने लगी, इसके बाद पायलट ने विमान को नागपुर में उतारने के लिए तत्काल फोन किया और विमान को आपात स्थिति में उतारा गया।केआईएमएस अस्पताल, नागपुर के ब्रांडिंग एंड कम्युनिकेशंस डीजीएम, एजाज शमी ने कहा कि यात्री क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) और टीबी से पीड़ित था।

हरियाणवी गायक राजू पंजाबी का निधन

हिसार, (एजेंसी)। हरियाणवी गायक राजू पंजाबी का सोमवार देर रात यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया , जहां वह अस्वस्थता के कारण गत 10 दिनों से भर्ती थे। राजू पंजाबी का अंतिम संस्कार राजस्थान के हनुमानगढ़ जिला स्थित उनके पैतृक गांव रावतसर खेड़ा में किया जाएगा। राजू पंजाबी ने यहां आजाद नगर में किराये पर मकान लिया था , जहां वह कभी-कभार आते जाते थे। उनका शव यहां मकान पर नहीं लाया गया, बल्कि अस्पताल से सीधे मंगलवार सुबह पैतृक गांव रवाना किया गया। उनका परिवार गांव में ही रहता है। उनकी तीन बेटियां हैं। राजू पंजाबी पहले भी बीमार हुये लेकिन स्वस्थ होकर घर चले गए थे।

आज का इतिहास

- **1821:** मेक्सिको ने आजादी की घोषणा की।
- **1839:** ब्रिटेन ने चीन के साथ युद्ध में हांगकांग पर क़ब्ज़ा किया।
- **1914:** जापान द्वारा जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा।
- **1939:** तत्कालीन सोवियत संघ और जर्मनी के बीच गैर-आक्रामकता संधि पर हस्ताक्षर किये गये।
- **1944:** प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री सायरा बानो का जन्म।
- **1947:** वल्लभभाई पटेल भारत के उप प्रधानमंत्री बने।
- **1968:** प्रसिद्ध भारतीय पार्श्वगायक के. के. का जन्म।
- **1976:** चीन में भूकंप से हजारों लोगों की मौत।
- **1979:** ईरान की सेना ने कुर्दों के खिलाफ मोर्चा खोला।
- **1990:** पूर्व और पश्चिम जर्मनी ने तीन अक्टूबर को एकजुट होने की घोषणा

भारत रचेगा इतिहास, अब चंदा मामा पास के!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत का लूनर मिशन चंद्रयान-3 चांद की सतह से मात्र 25 किमी दूर है। 23 अगस्त यानि कल शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट लैंडिंग करने की कोशिश करेगा। चंद्रयान-3 की सफलता के लिए पूरा देश कामना कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चंद्रयान-3 के लैंडिंग के बाद देश को संबोधित करेंगे।

लैंडिंग के बाद ऐसे भेजेगा डाटा

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद इसरो के वैज्ञानिक प्रज्ञान रोवर द्वारा भेजे गए डाटा का विश्लेषण करेंगे। बता दें कि फिलहाल प्रज्ञान रोवर विक्रम लैंडर के अंदर बंद है। विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग के 4 घंटे बाद प्रज्ञान रोवर बाहर निकलेगा। प्रज्ञान रोवर में लगे आधुनिक सेंसर इसरो के पास चन्द्रमा से जुड़ी जानकारी भेजेंगे। प्रज्ञान रोवर एक चंद्र दिवस यानि (पृथ्वी के 14 दिन) तक काम करने में सक्षम है। लैंडिंग के बाद विक्रम लैंडर का एक साइड पैनल खुल जाएगा और इसके अंदर से प्रज्ञान रोवर एक रैंप की मदद से बाहर निकलकर आएगा। प्रज्ञान रोवर में छह पहिया लगे हुए हैं। इसके आखिरी के दो पहियों में इसरो और देश का राष्ट्रीय चिन्ह अंकित है। प्रज्ञान रोवर जब चन्द्रमा की सतह पर चलेगा तो भारत और इसरो का निशान छोड़ेगा। प्रज्ञान रोवर चांद की सतह पर 1 सेमी प्रति सेकंड की गति से भ्रमण करेगा। प्रज्ञान रोवर में लगा सेंसर चन्द्रमा के वायुमंडल का डाटा एकत्र कर इसरो को भेजेगा।

- चंद्रयान-3 के लैंडिंग के बाद आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को संबोधित करेंगे।
- लैंडिंग के 4 घंटे बाद प्रज्ञान रोवर बाहर आएगा।
- प्रज्ञान रोवर एक चंद्र दिवस यानि (पृथ्वी के 14 दिन) तक काम करने में सक्षम होगा

दिख रहा भारतीयों में गजब का उत्साह

4 फेज में होगी चंद्रयान-3 की लैंडिंग, कैसे एकत्रित होगा डाटा

विक्रम लैंडर में लगे तीन पेलोड चन्द्रमा की सतह के प्लाज्मा के घनत्व को मापेंगे। इसके साथ ही यह चन्द्रमा की सतह के तापीय गुणों की माप करेगा, लैंडिंग स्थल के आसपास भूकंप से संबंधित जानकारी इकट्ठा करेगा। इसके अलावा चन्द्रमा की परत की संरचना की मैपिंग भी करेगा। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को काम करने के लिए ऊर्जा सोलर एनर्जी से मिलेगी। प्रज्ञान रोवर लैंडर के साथ सिर्फ संचार कर सकता है। वहीं विक्रम लैंडर इस डाटा को सीधे पृथ्वी पर भेजेगा।

4 फेज में होगी लैंडिंग

खबर के मुताबिक लैंडिंग का प्रोसेस 23 अगस्त को शाम 5 बजकर 45 मिनट पर चार चरणों में शुरू किया जाएगा। इसमें रफ ब्रेकिंग फेज, एल्टीट्यूड होल्ड फेज, फाइन ब्रेकिंग फेज और टर्मिनल डिसेंट फेज शामिल है। लैंडिंग के आखिरी 15 मिनट को सफल बनाने के लिए देश के लोग पूजा-अर्चना कर रहे है। लैंडिंग का आखिरी 15 मिनट इसरो के वैज्ञानिको के अलावा देशवासियों के लिए भी रोमांच से भर देने वाला है।

आज चांद पर फतेह करने वाला भारत चौथा देश बनेगा

चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 मिशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर रहे एम.अन्नादुरई के मुताबिक बुधवार शाम को चंद्रयान-3 के लैंडर को 25 किमी की ऊंचाई से चांद की सतह तक पहुंचने में 15 से 20 मिनट लगेंगे।

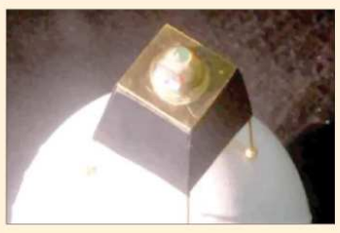

कोयम्बटूर के मरियप्पन ने बनाया चंद्रयान 3 का खास और खूबसूरत 'गोल्ड मिनिएचर मॉडल'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अगर भारत का चंद्रयान-3 मिशन का लैंडर चांद पर सफलता पूर्वक लैंड किया, तो वो चंद्रमा के साउथ पोल पर उतरने वाला पहला देश बन जाएगा। इस ऐतिहासिक क्षण का हर भारत वासी कब से इंतजार कर रहा है। इसी क्रम में तमिलनाडु के कोयम्बटूर के एक लघु कलाकार ने 4 ग्राम सोने का उपयोग करके चंद्रयान 3 का 1.5 इंच लंबा मॉडल डिजाइन किया है। इस सुंदर मॉडल को बनानेवाले कलाकार मरियप्पन ने कहा कि कि जब भी कोई महत्वपूर्ण घटना घटती है तो मैं सोने का उपयोग करके लघु मॉडल बनाता हूं। यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। चंद्रयान प्रोजेक्ट में शामिल सभी वैज्ञानिकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मैंने 4 ग्राम सोने का उपयोग करके इस मॉडल को डिजाइन किया। इसे डिजाइन करने में मुझे 48 घंटे लगे हैं।

चांद के दक्षिणी ध्रुव पर ही क्यों उतारा जा रहा चंद्रयान 3?

चांद के दक्षिणी ध्रुव पर ही क्यों उतारा जा रहा चंद्रयान 3

चंद्रयान-3 बुधवार को चांद की सतह पर लैंडिंग करेगा। इसको लेकर भारतीय काफी उत्साहित हैं। भारतीय वैज्ञानिकों को टीम इतिहास रचने के एक कदम दूर है। इसके बाद भारत सबसे कम राशि 615 करोड़ रुपए में चांद पर अपना लैंडर भेजने का इतिहास रचेगा। दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान उतारने वाला पहला देश होगा।

दुनिया के कई देशों के लिए चांद पर भी सैटेलाइट भेजने का माध्यम बन सकेगा

हम कबसे इस पल का इंतजार कर रहे हैं। लोग यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि चंद्रयान 3 लैंडिंग की लाइव स्ट्रीमिंग वे कहां देख सकते हैं। तो हम बता दें कि इसकी लाइव स्ट्रीमिंग इसरो के यू ट्यूब चैनल पर की जाएगी। इसके अलावा दूरदर्शन टीवी पर भी इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा। वैसे भारत के लोगों के लिए बुधवार का दिन बेहद खास है। इसी बीच विशेषज्ञ डॉ. वी.टी. वेंकटेश्वरन ने चंद्रमा की रहस्यमयी दुनिया के बारे में कुछ बातें बताई हैं। यानी आप यहां चंद्रयान 3 से जुड़े हर सवाल का जवाब जान सकते हैं। वेंकटेश्वरन ने चंद्रमा के भूवैज्ञानिक विकास से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण सवालों का जवाब दिया है। ये चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव, पानी और बर्फ की मौजूदगी के बारे में है। उन्होंने साथ ही भारत की चंद्रमा एक्सप्लोरेशन के बारे में भी जानकारी दी। आगे आर्टिकल में हम इन सवालों और जवाबों के बारे में जानकारी देंगे।

चंद्रमा के भूवैज्ञानिक इतिहास और विकास की अवधारणा क्या है? दूसरे शब्दों में कहें तो वह कितना पुराना है और कब और कैसे इसका निर्माण हुआ?

चांद की उम्र लगभग 4.5 अरब साल है। यानी मोटे तौर पर इसकी उम्र पृथ्वी के बराबर है। चंद्रमा के निर्माण का एक प्रमुख सिद्धांत है। इस सिद्धांत के अनुसार, मंगल ग्रह के आकार का एक खगोलीय पिंड युवा धरती से टकराया था और इस टक्कर से निकले मलबे से ही चंद्रमा का निर्माण हुआ। हालांकि चंद्रमा से मिले भूगर्भीय सबूत संकेत देते हैं कि यह पृथ्वी से महज छह करोड़ साल युवा हो सकता है।

चंद्रमा पर पृथ्वी की तुलना में वस्तु का भार कितना होगा और क्यों?

चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी के मुकाबले बहुत कम है। चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी के मुकाबले एक बटा छठा हिस्सा है। इसका नतीजा है कि चंद्रमा पर किसी वस्तु का वजन पृथ्वी के मुकाबले कम होगा। यह चंद्रमा के छोटे आकार और द्रव्य भार की वजह से है। उदाहरण के लिए अगर किसी व्यक्ति का पृथ्वी पर वजन 68 किलोग्राम है तो उसका चंद्रमा की सतह पर वजन सिर्फ 11 किलो होगा।

कश्मीर में आर्टिकल 370 हटने के बाद 91 फीसदी घटीं पत्थरबाजी की घटनाएं

2015-2019 के दौरान 5063 मामले हुए, 2019 से अब तक सिर्फ 434

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटने के बाद पत्थरबाजी की घटनाएं 91 प्रतिशत कम हो गई हैं। 2015 से 2019 के दौरान ऐसी 5063 घटनाएं हुई थीं, जबकि 2019 से 2023 तक महज 434 घटनाएं सामने आईं। वहीं, आतंकियों और उनके सहयोगियों की गिरफ्तारी में 5 गुना बढ़ोतरी हुई है।

2015 से 2019 के बीच 4 सालों में 427 आतंकी और उनके सहयोगी गिरफ्तार किए गए। वहीं, 2019 से 2023 के बीच 2327 आतंकी गिरफ्तार किए गए। दरअसल, जम्म-कश्मीर पुलिस ने आर्टिकल 370 हटने से पहले के और बाद के 4 सालों में हुई आपराधिक घटनाओं का डेटा जारी किया है। इसमें सामने आया है कि 2015 से 2019 के बीच 329 सुरक्षाकर्मियों ने जान गंवाई। वहीं, 2019 से 2023 के बीच 146 सुरक्षाकर्मियों की जान गई यानी इसमें 56 प्रतिशत की कमी आई।

5 अगस्त 2019 को हटाया गया था आर्टिकल 370

केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को स्पेशल दर्जा देने वाले आर्टिकल 370 को हटा दिया था। इसके बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेश बना दिया था।

17 पैरामीटर्स को किया गया कंपेयर: जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 17 पैरामीटर्स को कंपेयर किया है। इसके मुताबिक पत्थरबाजी, ग्रेनेड ब्लास्ट, आगजनी, किडनैपिंग और हथियार छीनने की घटनाओं में कमी आई है। इसके अलावा सुरक्षाकर्मियों, आम नागरिकों और आतंकियों की मौतों में भी कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक आर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। आपराधिक घटनाएं कम हुई हैं और पब्लिक सेफ्टी बेहतर हुई है। इस दौरान खुफिया जानकारी बेहतर ढंग से जुटाई गई। आतंकी ईकोसिस्टम को खत्म करने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

दुनिया का ग्रोथ इंजन बनेगा भारत, जल्द 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए हैं. वे जोहानिसबर्ग में आयोजित 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। यहां भारतीय मूल के लोगों ने उनका अलग अलग अंदाज में स्वागत किया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स बिजनेस फोरम लीडर्स डायलॉग में संबोधित किया है।

भारज जल्द ही तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम लीडर्स डायलॉग में कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है. भारत जल्द ही पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत दुनिया का ग्रोथ इंजन बनेगा. कुछ सालों में तेजी से रिफॉर्म किए गए। कारोबार के क्षेत्र में काफी सुधार किए गए। ब्रिक्स वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए उम्मीद है। भारज जल्द ही तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा।

भारत में निवेशकों का बढ़ा विश्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि भारत में जीएसटी और इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड लागू होने के बाद निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र अब प्राइवेट सेक्टरों के लिए खोले गए है। हमने टेक्नोलॉजी के यूज के साथ वित्तीय समावेशन में एक छलांग लगाया है। देश में आज स्ट्रीट वेंडर से लेकर शॉपिंग मॉल तक यूपीआई का उपयोग किया जा रहा है।

ITBP की 4 बटालियन भारत-चीन सीमा पर होंगी तैनात

नई दिल्ली, । नॉर्थ-ईस्ट में भारत-चीन सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की 4 नई बटालियन को नॉर्थ-ईस्ट में तैनात किया जाएगा। इन्हें 47 नई चौकियों पर भेजा जाएगा। सबसे ज्यादा अरुणाचल प्रदेश की 34 पोस्ट पर इनकी तैनाती होगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फरवरी में 7 नई बटालियन और बॉर्डर बेस बनाने की मंजूरी दी थी, जिससे आईटीबीपी फोर्स में 9400 कर्मियों की बढ़ोतरी हुई है। इन 7 में से 4 तैनाती के लिए तैयार हैं। बाकी 3 बटालियन को 2025 तक तैयार कर लिया जाएगा। यह फैसला तब आया है, जब दोनों देशों के बीच सीमा विवाद पर दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) और चुशूल एरिया में मेजर जनरल लेवल पर चर्चा हुई है। ये इसलिए भी मायने रखता है क्योंकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 9 से 10 सितंबर तक जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने भारत आने वाले हैं।

गहलोत ने राजस्थान 'विजन 2030 का किया शुभारंभ

जयपुर, (ब्यूरो)। सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान को देश में अग्रणी राज्य की श्रेणी में लाने के मकसद से मंगलवार को विजन-2030 का शुभारंभ किया। गहलोत ने 2030 तक राजस्थान को हर क्षेत्र में भारत का सिरमौर बनाने की दिशा में महत्वाकांक्षी 'राजस्थान मिशन-2030' का बटन दबाकर शुभारंभ किया। उन्होंने जयपुर के बिड़ला सभागार में मिशन के उद्घाटन समारोह में कहा कि प्रदेश की प्रगति को 10 गुना गति देने में प्रत्येक की भागीदारी सुनिश्चित होंगी। राज्य सरकार एक करोड़ लोगों से उनके सपनों के राजस्थान के लिए सलाह व सुझाव लेगी। इन्हीं पर 'विजन-2030 दस्तावेज तैयार होगा। राजस्थान सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, महिला सशक्तिकरण, रोजगार, आर्थिक विकास, आधारभूत सरंचना विकास, सोलर ऊर्जा, अनाज उत्पादन सहित हर क्षेत्र में देश का मॉडल स्टेट बन गया है।

Welcome 3 में हुई परेश रावल की ग्रैंड एंट्री

नई दिल्ली , (आरएनएन)। वेलकम- बॉलीवुड की सुपर-डूपर हिट कॉमेडी फिल्म वेलकम फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त वेलकम 3 की कास्टिंग चल रही है। फिल्म में एक बार फिर अक्षय कुमार समेत कई दिग्गज सितारे नजर आने वाले हैं। इस बार फिल्म का नाम 'वेलकम टू द जंगल' रखा गया है।

डॉक्टर घुंघरू बनकर मचाएंगे धमाल

स्टार कास्ट में अक्षय कुमार, संजय दत्त, अरशद वारसी, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी और जैकलीन फर्नांडीज शामिल हैं। इस टीम में कई कॉमेडियन जैसे कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, मीका सिंह और दलेर मेहंदी है । अब परेश रावल भी वेलकम 3 का हिस्सा होंगे। फिल्म में वो अपना आइकॉनिक डॉक्टर घुंघरू का किरदार निभाने वाले हैं। परेश रावल वेलकम टू द जंगल में डॉ. घुंघरू बनकर कमबैक करेंगे। एक्टर की फिल्म में ग्रैंड एंट्री हुई है जिसे सुनकर उनके फैंस भी खुशी से झूम उठेंगे। परेश वेलकम की अपनी मजेदार टीम के साथ दोबारा जुड़ने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। सूत्रों कहते है 'वेलकम 3' के अलावा, परेश आने वाले साल में निर्माता फिरोज नाडियाडवाला के लिए 'हेरा फेरी 3' में भी काम करेंगे।

Game Changer: गाने की शूटिंग में दिखें राम चरण और कियारा आडवाणी, वीडियो हुआ लीक

नई दिल्ली, (आरएनएन)। बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं, वह जल्द ही साउथ के सुपरस्टार राम चरण के साथ फिल्म गेम चेंजर में नजर आएंगी। डायरेक्टर शंकर के साथ राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजर मोस्ट अवेटेड फिल्म है। जिसका इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। वहीं फिल्म की शूटिंग भी तेजी से चल रही है।

खबर है कि फिल्म के एक रोमांटिक गाने की शूटिंग की कुछ तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन लीक हो गए हैं। लीक हुई तस्वीरों में राम सेमी-फॉर्मल ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में नजर आ रहे हैं, जबकि कियारा स्लिट ब्लैक गाउन में कुछ बैकग्राउंड डांसर्स के बीच नजर आ रही हैं।

गाने के सीक्वेंस सोशल मीडिया पर वायरल : गाने के सीक्वेंस का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। लीक हुए वीडियो में समुद्र तट पर बैकग्राउंड में कई काले घोड़ों के साथ घोड़े पर सवार आरआरआर अभिनेता की झलक दिखाई गई है। जैसे ही वीडियो ऑनलाइन लीक हुआ, नेटिज़न्स अपना एक्साइटमेंट नहीं रोक सके और कमेंट बॉक्स में भर गए।

S400 मिसाइल: भारत-रूस हथियारों की डील पेमेंट न हो पाने से मुश्किल में फंसी

मॉस्को, (एजेंसी)। रूस-भारत का रक्षा सौदा अधर में लटक सकता है। इसमें एस-400 सबसे प्रमुख है। यूक्रेन युद्ध के कारण पहले ही इसके डिलीवरी में देरी हो चुकी है। इस देरी के पीछे सबसे बड़ा कारण भुगतान से जुड़ा संकट है। वर्तमान में 3 अरब डॉलर का भुगतान रुका हुआ है और केंद्रीय बैंक इसे हल करने के लिए काम कर रहे हैं।

2018 में एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम से जुड़ी डील 5.43 अरब डॉलर में हुई थी। भारत ने रूस से पांच रेजिमेंटों को लिया था, जिनमें से तीन की डिलीवरी हो चुकी है। लेकिन अन्य दो में लगातार देरी हो रही है। हालांकि दोनों पक्ष रुपया-रूबल व्यवस्था के जरिए भुगतान की कोशिश में लगे हैं। लेकिन भारी व्यापार असंतुलन और रूस के पास ज्यादा भारतीय रुपया हो जाने से यह संकट हल नहीं हो पा रहा है। सूत्रों ने कहा, भुगतार में जब स्पष्टता हो जाएगी तभी संशोधित डिलीवरी के शेड्यूल पर काम किया जा सकता है।

जी-20: राष्ट्रपति जो बाइडेन 7 सितंबर को भारत पहुंचेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जी20 समिट के लिए दो दिन पहले भारत पहुंचेंगे। ऐसा पहली बार होगा जब कोई अमेरिकी प्रेसिडेंट चार दिन भारत में रहेगा। जी20 समिट 9 और 10 सितंबर को होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन जी-20 के लिए 7 सितंबर को भारत पहुंचेंगे, चार दिन में दो बार पीएम मोदी से मिलेंगे। बाइडेन इंडोनेशिया में होने वाली आसियान समिट में शिरकत नहीं करेंगे, क्योंकि उन्होंने भारत दौरे को ज्यादा तवज्जो दी है। आसियान में बाइडेन की जगह वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस शिरकत करेंगी। यह जानकारी मंगलवार देर रात व्हाइट हाउस के बयान में दी गई है। व्हाइट हाउस के अनुसार प्रेसिडेंट बाइडेन जी-20 समिट शुरू होने से दो दिन पहले ही भारत पहुंच जाएंगे।

धारा 498-ए कहा- दहेज प्रथा कानून के गलत इस्तेमाल ने लीगल टेररिज्म फैलाया

दहेज खत्म करने लाए थे, झूठे केस आने लगे

कोलकाता, (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने एक केस की सुनवाई करते हुए कहा कि दहेज जैसी बुराई को समाज से खत्म करने के लिए आईपीसी की धारा 498ए को लाया गया था, लेकिन इसके गलत इस्तेमाल ने कानूनी आतंकवाद (लीगल टेररिज्म) को बढ़ा दिया है। जस्टिस सुभेंदु सामंत ने एक महिला की उसके ससुराल पक्ष के खिलाफ याचिका रद्द करते हुए कहा कि इसे महिलाओं के कल्याण के लिए लाए थे, लेकिन अब इसके झूठे मामले ज्यादा आ रहे हैं। इसका गलत इस्तेमाल हो रहा है।

महिला की याचिका में शारीरिक और मानसिक यातना का आरोप साधारण लग रहा है। गवाहों के बयान ऐसे किसी तथ्य का खुलासा नहीं करते, जिसमें आरोपी पति को फंसाया जा सकता है। केस डायरी के मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन में भी महिला के शरीर पर किसी चोट का जिक्र नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि एक पड़ोसी ने पति-पत्नी के झगड़े के बारे में सुना बस है। दो व्यक्तियों के झगड़े का मतलब यह नहीं है कि कौन हमलावर था या कौन पीड़ित। दहेज प्रथा का मामला केवल निजी दुश्मनी निकालने के लिए लगाया गया है। इसलिए मौजूदा हालात के तहत याचिका रद्द करना ही सही है, नहीं तो केस जारी रखना अदालत के वक्त की बर्बादी होगी।

यह था पूरा मामला

पति से अलग रह रही एक महिला ने पहली बार अक्टूबर 2017 में पति के खिलाफ मानसिक और शारीरिक क्रूरता का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने कुछ गवाहों और पड़ोसियों के बयान दर्ज किए, लेकिन अदालत ने इन्हें काफी नहीं माना। महिला ने दिसंबर 2017 में एक और शिकायत दर्ज की। इस बार उसने पति के परिजन का नाम लेते हुए उन पर क्रूरता करने और मानसिक-शारीरिक यातना देने का आरोप लगाया था।

पिच्छावरम : बैकवॉटर्स और मैंग्रोव

कवॉटर्स नदियों के मुहाने पर उस जगह बनते हैं जहां नदियों का तल समुद्रतल के लगभग बराबर हो। ऐसे में ज्वार उठने पर समुद्र का खारा पानी नदी की धारा के साथ-साथ काफी पीछे तक चला जाता है। रेतीले तट व लहरें नदी के प्रवाह को समुद्र में मिलने से रोक देती हैं जिससे नदी के मुहाने में पानी का प्रवाह स्थिर सा हो जाता है। ज्वार अवधि के पूरा हो जाने पर भी यह जल बहुत धीरे-धीरे ही सागर में मिल पाता है या फिर से ज्वार आने पर मिलता है। इससे नदी का मुहाना भी एक बार खारे पानी से भर जाता है। ऐसी ही जगहों पर मैंग्रोव उगते हैं। मैंग्रोव वस्तुत- समुद्री तटों के किनारे उगने वाली वह वनस्पति है जिसमें झाडियां भी होती हैं और छोटे-बडे वृक्ष आदि भी। मैंग्रोव बैकवॉटर्स, नदी के मुहानों, कुछ खाडियों और समुद्र के किनारे पर ही उगते हैं।

ऐसे स्थान जहां ताजे व खारे पानी का मिलन होता हो, वे मैंग्रोव के उगने और बने रहने के लिए सबसे उपयुक्त माने जाते हैं। समुद्र में मिलने वाली नदियों के मुहाने पर ही ऐसे हालात बन पाते हैं। यही स्थितियां मैंग्रोव की जैव विविधता को पोषक भी हैं। कुछ जगहों पर बैकवॉटर्स तो हैं, पर उनमें मैंग्रोव नहीं है। भारत में इसका उदाहरण केरल के बैकवॉटर्स हैं। वैसे मैंग्रोव न होने के बावजूद केरल के बैकवॉटर्स अपने आपमें बहुत सुंदर हैं और वहां पर्यटकों के आकर्षण के केंद्र भी हैं।

बचाता है विपदाओं से- भारत में मैंग्रोव का क्षेत्रफल लगभग 6500 वर्ग किमी है। इसमें सबसे अधिक मैंग्रोव गंगा के मुहाने पर सुंदरबन में हैं जिसका क्षेत्रफल लगभग चार हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक है। अंडमान-निकोबार का मैंग्रोव की दृष्टि से दूसरा स्थान है, जहां इनका क्षेत्रफल लगभग 1200 वर्ग किलोमीटर है। शेष 1300 वर्ग किलोमीटर मैंग्रोव सागर तटों से लगे बाकी आठ राज्यों आंध्र प्रदेश, उडीसा, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और गोवा में हैं। मैंग्रोव इस नजरिये से बेहद महत्वपूर्ण हैं कि ये तूफान व सुनामी के समय तटीय आबादी को समुद्री लहरों के कहर से बचाने का काम करते हैं। हालांकि आज दुनिया भर में मैंग्रोव तेजी से घट रहे हैं। ये चाहे कहीं भी हों, पर्यटकों को आकर्षित करते रहे हैं। चाहे बंगाल का सुंदरबन हो, या अंडमान के मैंग्रोव या फिर उडीसा का भीतरकणिका क्षेत्र - कोई भी पर्यटकों से अछूता नहीं मिलेगा। नदी रुकी हुई- तमिलनाडु में जिन स्थानों पर मैंग्रोव बचे रह गए हैं, उनमें पिच्छावरम सबसे सुंदर है। यहां के मैंग्रोव दुनिया में सबसे नए भी माने जाते हैं। वेलार व कोलेरन नदियों के डेल्टातंत्र में पिच्छावरम के मैंग्रोव 11 वर्ग किलोमीटर में फैले हैं और हैं बेहद दिलकश। इस तंत्र में अनेक नहरों का जाल है और 51 जमीनी टापू भी हैं। संकरी नहरों के ऊपर इनकी झाडियां कुछ इस तरह से छा चुकी हैं कि मानो वहां कोई सुरंग हो। पिच्छावरम जाते हुए ऐसा नहीं लगता कि अंत में एक ऐसा स्थान आने वाला है, जहां आपको नदी रुकी हुई दिखेगी और उसके किनारे मिलेंगे जल में उगे व डूबे हुए वृक्ष। यहां से आगे दूर-दूर जहां तक नजर जाती है, वहां पानी में उगे वृक्ष ही दिखाई देते हैं। ये पेड व झाडियां पानी में ही उगते हैं और वह भी खारे पानी में। मैंग्रोव के इन जंगलों को प्रकृति ने कितनी तन्मयता से सृजित किया है, यह करीब जाकर ही पता लग पाता है। इस क्षेत्र में लगभग 45 प्रकार की वानस्पतिक मैंग्रोव प्रजातियां पाई गई हैं, जिनमें ज्यादातर वृक्ष राइजोफोरा प्रजाति के हैं। इसके बाद ऐवीसीनिया मेरीन का स्थान है। यह सिर्फ ऐसे ही उष्ण कटिबंधीय एवं नमकीन पानी वाले वातावरण में उग पाते हैं। मैंग्रोव की भूलभुलैया-इस पूरे तंत्र में कई नहरों के ऊपर इनका ऐसा मजबूत आवरण मिलता है कि उनके बीच से रास्ता बनाने के लिए उनको काटे बगैर काम नहीं चलने वाला है। इसलिए उनके भीतर जाने के लिए उनको समय-समय पर तराशा जाता है। यहां एक बार प्रवेश किया नहीं कि आपको याद नहीं रह पाता है कि कहां से आए थे और कहां जाना है। मैंग्रोव की भूलभुलैया में रास्ता आपकी नाव का नाविक ही जानता है, जो आपको यहां लाता है और घुमाता है। इस बैकवॉटर्स में पानी की गहराई बहुत अधिक नहीं, महज 2 से 3 मीटर तक ही है। जैसे ही बैकवॉटर्स में आगे बढते हैं, पानी की गुणवत्ता भी बदल जाती है। वह जहां शुरुआत में हरा दिखाई देता है, वहीं जैसे-जैसे आप आगे बढते जाते हैं, पानी का रंग साफ होने लगता है। चिडियों की सैरगाह-अक्टूबर से मार्च के मध्य पिच्छावरम विदेशी पक्षियों की सैरगाह बन जाता है। इसलिए इस दौरान यहां पक्षीप्रेमी भी खिंचे चले आते हैं। यहां अब तक 55 प्रकार के पक्षी देखे जा चुके हैं। जहां शीतकाल में यहां के मैंग्रोव आबाद हो जाते हैं, वहीं गर्मी के आगाज से पहले ये मेहमान पक्षी यहां से फुर्र हो जाते हैं। तमिलनाडु में शीतकाल में तापमान कम जरूर हो जाता है, किंतु कोई ठंड नहीं होती है। पिच्छावरम के बैकवॉटर्स में लगभग 150 तरह की मत्स्य प्रजातियां पाई जाती हैं। केकडे व झींगा मछलियां भी इनमें आती हैं। इनमें से आधी से अधिक

प्रजातियां बैकवॉटर्स में ही होती हैं। यहां सीमित मात्रा में मछली पकडने की अनुमति है। पिच्छावरम में मैंग्रोव के महत्व को देखते हुए इसे राष्ट्रीय संरक्षित नमभूमि (वेटलैंड) संरक्षण योजना के तहत 1987 में संरक्षित क्षेत्र बनाया गया। लगभग 23 किलोमीटर में फैले इस नम क्षेत्र में आधा भाग मैंग्रोव का है। इसमें से कुछ जमीन बंजर है तो कुछ कीचड युक्त है। इसके कुछ भाग पर खेती भी होती है। यहां के मैंग्रोव वनों को नष्ट होने से बचाने के लिए राच्य का वन विभाग व एम. एस. स्वामीनाथन फाउंडेशन लंबे समय से काम कर रहे हैं। इससे यहां के मैंग्रोव के उजडने का सिलसिला थमा है और इसके क्षेत्रफल में वृद्धि भी हुई है। सुनामी के समय इसे नुकसान पहुंचा था। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण समुद्र का स्तर बढने से इस पर क्या असर होगा, अभी कहा नहीं जा सकता है।

आना-जाना और ठहरना-पिच्छावरम चेन्नई के 250 किलोमीटर दक्षिण में व पुडुचेरी यानी पाण्डिचेरी से मात्र 50 किलोमीटर दूर है। तिरुचिरापल्ली से इसकी दूरी 170 किमी है। पिच्छावरम का निकटतम नगर चिदंबरम है, जहां सुप्रसिद्ध नटराज मंदिर और देश का पुराना व बडा अन्नामलाई विश्वविद्यालय है। यहीं से एक रेलमार्ग व सडक मार्ग तमिलनाडु के दक्षिण व केरल की ओर गया है। चिदंबरम तक लगातार बसें व सीमित रेल सेवाएं उपलब्ध हैं। चिदंबरम से पिच्छावरम जाने के लिए सुबह से शाम तक लगातार बसें हैं। चाहें तो टैक्सी कर सकते हैं अगर च्यादा संख्या में हों तो चार्टर्ड बस या वैन की जा सकती है, जो लगभग पौन घंटा लेती हैं। पिच्छावरम में रुक भी सकते हैं। यहां एक अच्छा रिजॉर्ट है। रिजॉर्ट में ही एक रेस्तरां भी है, जहां सामान्य दक्षिण भारतीय खाने के अलावा सी फूड भी मिलता है। वैसे चिदंबरम में रुकने की मध्यम स्तर की व्यवस्थाएं हैं। पिच्छावरम में बैकवॉटर्स में जाने के लिए नाव हर वक्त उपलब्ध है। उन्हें समय, आकार व प्रकार के अनुसार किराये पर लिया जा सकता है। यहां मोटरबोट के अलावा पतवार वाली नावें भी मिलती हैं। आप चाहे जो देखें। यदि समुद्र किनारे सूर्यास्त व सूर्योदय देखना हो तो अधिक समय लगता है। पिच्छावरम में एक वॉच टावर भी है, जहां से इस स्थान की दूर-दूर तक की झलक देखी जा सकती है। वैसे पिच्छावरम आने का उपयुक्त समय अक्टूबर से मार्च के बीच है, किंतु यहां हर समय ही पर्यटक आते रहते हैं। यकीन मानिए पिच्छावरम की सैर दिल जीतने को काफी है। यदि पिच्छावरम जाएं तो कम से कम दो से तीन घंटे इसकी सैर करें। नाव से इनके बीच जाते समय थोडा डर भी लगता है, लेकिन लाइफ जैकेट का खयाल आते ही वह डर चला जाता है।

भगवान कृष्ण की जन्मभूमि मथुराभगवान कृष्ण की नगरी

श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा के कारागार में हुआ था। पिता का नाम वासुदेव और माता का नाम देवकी। दोनों को ही कंस ने कारागार में डाल दिया था। उस काल में मथुरा का राजा कंस था, जो श्रीकृष्ण का मामा था। कंस को आकाशवाणी द्वारा पता चला कि उसकी मृत्यु उसकी ही बहन देवकी की आठवीं संतान के हाथों होगी। इसी डर के चलते कंस ने अपनी बहन और जीजा को आजीवन कारागार में डाल दिया था। मथुरा यमुना नदी के तट पर बसा एक सुंदर शहर है। मथुरा जिला उत्तरप्रदेश की पश्चिमी सीमा पर स्थित है। इसके पूर्व में जिला एटा, उत्तर में जिला अलीगढ़, दक्षिण-पूर्व में जिला आगरा, दक्षिण-पश्चिम में राजस्थान एवं पश्चिम-उत्तर में हरियाणा राज्य स्थित हैं। मथुरा, आगरा मण्डल का उत्तर-पश्चिमी जिला है। मथुरा जिले में चार तहसीलें हैं- मांट, छाता, महावन और मथुरा तथा 10 विकास खण्ड हैं- नन्दगांव, छाता, चौमुहां, गोवर्धन, मथुरा, फरह, नौहझील, मांट, राया और बल्देव हैं। मथुरा भारत का प्राचीन नगर है। यहां पर से 500 ईसा पूर्व के प्राचीन अवशेष मिले हैं, जिससे इसकी प्राचीनता सिद्ध होती है। उस काल में शूरसेन देश की यह राजधानी हुआ करती थी। पौराणिक साहित्य में मथुरा को अनेक नामों से संबोधित किया गया है जैसे- शूरसेन नगरी, मधुपुरी, मधुनगरी, मधुरा आदि। उग्रसेन और कंस मथुरा के शासक थे जिस पर अंधकों के उत्तराधिकारी राज्य करते थे। मथुरा के बारह जंगल ः वराह पुराण एवं नारदीय पुराण ने मथुरा के पास के 12 वनों की चर्चा की है- 1. मधुवन, 2. तालवन, 3. कुमुदवन, 3. काम्यवन, 5. बहुलावन, 6. भद्रवन, 7. खदिरवन, 8. महावन (गोकुल), 9. लौहजंघवन, 10. बिल्व, 11. भांडीरवन एवं 12. वृन्दावन। इसके अलावा 24 अन्य उपवन भी थे। आज यह सारे स्थान छोटे-छोटे गांव और कस्बों में बदल गए हैं। जन्मभूमि का इतिहास ः जहां भगवान कृष्ण का जन्म हुआ पहले वह कारागार हुआ करता था। यहां पहला मंदिर 80-57 ईसा पूर्व बनाया गया था। इस संबंध में महाक्षत्रप सौदास के समय के एक शिलालेख से ज्ञात होता है कि किसी %वसु% नामक व्यक्ति ने यह मंदिर बनाया था। इसके बहुत काल के बाद दूसरा मंदिर सन् 800 में विक्रमादित्य के काल में बनवाया गया था, जबकि बौद्ध और जैन धर्म उन्नति कर रहे थे। इस भव्य मंदिर को सन् 1017-18 ई. में महमूद गजनवी ने तोड़ दिया था। बाद में इसे महाराजा विजयपाल देव के शासन में सन् 1150 ई. में जज्ज नामक किसी व्यक्ति ने बनवाया। यह मंदिर पहले की अपेक्षा और भी विशाल था, जिसे 16वीं शताब्दी के आरंभ में सिकंदर लोदी ने नष्ट करवा डाला। ओरछा के शासक राजा वीरसिंह जू देव बुन्देला ने पुनः इस खंडहर पड़े स्थान पर एक भव्य और पहले की अपेक्षा विशाल मंदिर बनवाया। इसके संबंध में कहा जाता है कि यह इतना ऊंचा और विशाल था कि यह आगरा से दिखाई देता था। लेकिन इसे भी मुस्लिम शासकों ने सन् 1669 ईस्वी में नष्ट कर इसकी भवन सामग्री से जन्मभूमि के आधे हिस्से पर एक भव्य ईदगाह बनवा दी गई, जो कि आज भी विद्यमान है। इस ईदगाह के पीछे ही महामना पंडित मदनमोहन मालवीयजी की प्रेरणा से पुनः एक मंदिर स्थापित किया गया है, लेकिन अब यह विवादित क्षेत्र बन चुका है क्योंकि जन्मभूमि के आधे हिस्से पर ईदगाह है और आधे पर मंदिर। मथुरा के अन्य मंदिर ः मथुरा में जन्मभूमि के बाद देखने के लिए और भी दर्शनीय स्थल है ।

पदनाम परिवर्तन पर एमबीएस सेंट्रल लैब में जश्न का माहौल

कोटा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में लैब टेक्नीशियन संवर्ग के पदनाम परिवर्तन को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंजूरी दी।संशोधन के पश्चात लैब टेक्नीशियन अब मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट,सीनियर लैब टेक्नीशियन का सीनियर मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट,टेक्निकल असिस्टेंट का लैब टेक्निकल ऑफिसर एवं सीनियर टेक्निकल ऑफिसर अब मेडिकल लैब सुप्रिटेंडेंट पदनाम से पुकारे जाएंगे। कोटा संभाग प्रभारी भारत अरोड़ा ने बताया लैब टेक्नीशियन केडर द्वारा लम्बे समय से पदनाम परिवर्तन की मांग की जा रही थी।बहुप्रतीक्षित मांग के पूरा होने पर लैब टेक्नीशियन केडर ने खुशी जताई है और मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया है। कोटा की समस्त लैबोरेटरी में जश्न का माहौल रहा। अखिल राजस्थान लैब टेक्नीशियन कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्रसिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री गहलोत के इस निर्णय से राज्य सरकार की जनहित योजना मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना के मुख्य आधार लैब टेक्नीशियन संवर्ग में खुशी की लहर है। कोटा जिले के प्रवक्ता गोविंद शर्मा कहा कि हम आशा करते है कि मुख्यमंत्री केडर की अन्य लम्बित मांगों ग्रेड पे ,स्पेशल पे,जोखिम भत्ता आदि पर भी शीघ्र ही सकारात्मक निर्णय लेंगे। कोटा जिला अध्यक्ष इम्तियाज़ आलम, और महामंत्री लोकेश दाधीच ने सेंट्रल लैब कोटा, सभी लैब अधीक्षकों एवं लैब अधिकारियों को माला पहनाकर अभिवादन किया तथा साथ ही रवि कुमार ने सबको लड्डू खिला कर मुह मीठा करवाया। सेंट्रल लैब अधीक्षक हर्षकांत शर्मा ने राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री गहलोत को धन्यवाद दिया।

कोटा देहात जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित

कोटा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के अनुमोदन के उपरान्त जिला कांग्रेस कमेटी कोटा देहात अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने मंगलवार को नवीन कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। कार्यकारिणी में 11 महिलाएं तथा 11 अल्पसंख्यकों को जगह दी गई है। महासचिव (संगठन) अधिवक्ता मनीष शर्मा को बनाया गया है। वहीं कोषाध्यक्ष चमन बक्श नौताडा को नियुक्त किया है। भानुप्रताप सिंह ने उपाध्यक्ष रमाकांत शर्मा,सुचिता कुमारी, गायत्री मीना, मो. हुसैन,नीलिमा सोनी, नारायणसिंह चौहान, गजराज सिंह, जमील भाई, सुरेश लूथरा, मांगीलाल नागर, तेजमल सर्राफ, महेश श्रंगी, घनश्याम मेहर, राम के. मेघवाल, लालचंद शर्मा को बनाया है। महासचिव के रुप में उमा सिंहल, सुनीता मीना, हिम्मत बाई, रविन्द्र गुप्ता, रामराज यादव, विरेन्द्र सिंह, रईस खान, धनराज गुर्जर, अनिरूद्द मीना, संम्भव वर्मा, द्वारकालाल मीना, राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, संजय नंदवाना, रितेश पुरोहित, मकसूद अली, रामचरण शर्मा, घनश्याम मीना, सादिक अहमद मंसूरी, शाबिर अंसारी, रूपसिंह बंजारा को नियुक्त किया है। सचिव के तौर पर कमलेश यादव, सुलोचना मेहरा, शबनम शेरवानी, गायत्री मेघवाल, कमल खटीक, ओम नागर, नन्दबिहारी गुर्जर, शहजाद असगान, अशफाक, सुरेश बैरवा, हरिमोहन गुर्जर, दीपक शर्मा, जगदीश बैरवा, सत्यनारायण गुर्जर, विष्णु शर्मा, घासीलाल मरमट, यकीन अहमद, फुलचंद मेंडा, हेमराज मीना, जय प्रकाश शर्मा, मोईनुद्दीन, राजाराज शर्मा, गजानन्द मीना, जगदीश मीना, रूस्तम मंसूरी, बालमुकुन्द धाकड़, जुगल कटारिया, अफसार प्रधान, शुभम सिंह चौहान, मुकेश मीणा को नियुक्त किया है। प्रवक्ता देवेन्द्र सिंह गोयन्दा और मंजूर तंवर को, सोशल मीडिया प्रभारी कंवर सिंह चौधरी, दीपक मीना को बनाया है।

अपनाघर ने राहुल को मिलाया अपने भाई से

कोटा। राहुल को मार्च महीने में मक़बरा थाना क्षेत्र से लावारिस अवस्था में अपनाघर आश्रम लाया गया था।जहाँ उसकी नियमित चिकित्सा सेवा और काउन्सलिंग से वह अपने परिजनों के संबंध में बता पाया ।आश्रम के सेवासाथियों ने उसके घर सम्पर्क किया, राहुल का भाई सचिन शुक्ला अपने मित्र के साथ होशंगाबाद मध्यप्रदेश से अपनाघर आश्रम आया तो अपने भाई को स्वस्थ देखकर भाव विभोर हो गया । सचिन ने बताया कि उसका भाई मानसिक विमन्दित है और बहुत समय से घर से लापता था ।परिवार वालों ने ढूँढने का प्रयास भी किया लेकिन कुछ पता नहीं लग पाया। अपनाघर आश्रम से फ़ोन द्वारा सम्पर्क करने पर तुरन्त कोटा के लिए रवाना हो गये थे।यहाँ अपने भाई को स्वस्थ देखकर हम बहुत खुश हैं और अपनाघर आश्रम के आभारी हैं,जिन्होंने हमारे भाई को हमसे मिलाया। उक्त जानकारी अपना घर आश्रम के अध्यक्ष डॉ योगेंद्र मणि कौशिक ने दी।

इंदौर का हरसिद्धि मंदिर यहाँ आकर पूरी होती हैं मुरादें

इंद्रेश्वर मंदिर के बाद हरसिद्धि शहर का सबसे पुरातन मंदिर माना जाता है। यहाँ रोजाना श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहता है, लेकिन नवरात्रि पर्व पर विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ भक्तों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। माँ के भक्त देश-विदेश से यहाँ जुटते हैं। मंदिर का निर्माण देवी अहिल्याबाई होलकर ने 21 मार्च 1766 को कराया था। तब यहाँ उनके पुत्र श्रीमंत मालेरावजी का शासन था। मंदिर में स्थापित देवी की दिव्य मूर्ति पूर्वाभिमुखी महिषासुर मर्दिनी मुद्रा में है। चार भुजाओं वाली माँ दाहिनी भुजा में खड्ग व त्रिशूल तो बायीं भुजा में घण्टा व मुण्ड धारण किए हुए हैं। पं. जनार्दन भट्ट संस्थापक पुजारी थे, जिन्हें देवी अहिल्याबाई ने सनद देकर पुरोहित नियुक्त किया था। मंदिर परिसर में बाद में निर्मित शंकरजी व हनुमान जी के मंदिर भी हैं। नवरात्रि पर विशेष श्रृंगार-मंदिर के पुजारी पं. राधेश्याम जोशी ने बताया कि वर्ष में दो बार चैत्र नवरात्रि की दशमी और अश्विन मास की दशमी को माँ का विशेष श्रृंगार किया जाता है। भक्तगण इस दिन माँ के दर्शन सिंहवाहिनी के रूप में करते हैं। देवी भगवती का अभिषेक ब्रह्म मुहूर्त में और आरती सुबह साढ़े 7 व 10 बजे तथा रात 9 बजे होती है। इसके अलावा श्रीसूक्त, ललिता सहस्रनाम और दुर्गा सप्तशती के पाठ किए जाते हैं। श्रद्धालु भी दरबार में विशेष पूजन-पाठ कराते हैं। अष्टमी पर विशेष हवन के साथ नवमी पर मंदिर परिसर में कन्या भोजन आयोजित किया जाता है। मंदिर के पूर्व मुख्य पुजारी स्व. पं. रामचंद्रजी दुबे के समय यहाँ कई महत्वपूर्ण आयोजन व कार्य हुए। मंदिर से जुड़ी हैं कई किंवदंतियाँ - देवी के यहाँ प्रतिष्ठित होने से कई किन्वदंतियाँ जुड़ी हैं। मंदिर के सामने कभी एक पक्की बावड़ी हुआ करती थी। बताया जाता है कि माँ की मूर्ति इसी बावड़ी से मिली थी। यह भी कहा जाता है कि महाराजा मल्हारराव होलकर को युद्ध से लौटते समय इस मूर्ति के दर्शन हुए थे।

तीर्थ के रूप में प्रसिद्ध सिरपुर

सिरपुर में महानदी का वही स्थान है जो भारत में गंगा नदी का है। महानदी के तट पर स्थिति सिरपुर का अतीत सांस्कृतिक विविधता तथा वास्तुकला के लालित्य से ओत-प्रोत रहा है। सिरपुर प्राचीन काल में श्रीपुर के नाम से विख्यात रहा है तथा सोमवंशी शासकों के काल में इसे दक्षिण कौसल की राजधानी होने का गौरव हासिल है। कला के शाश्वत नैतिक मूल्यों एवं मौलिक स्थापत्य शैली के साथ-साथ धार्मिक सौहार्द्र तथा आध्यात्मिक ज्ञान-विज्ञान के प्रकाश से आलोकित सिरपुर भारतीय कला के इतिहास में विशिष्ट कला तीर्थ के रूप में प्रसिद्ध है। अतीत के पन्नों में सिरपुर की गाथा-सिरपुर का प्राचीन नाम श्रीपुर है, इतिहासकारों के अनुसार सिरपुर पांचवीं शताब्दी के मध्य दक्षिण कौसल की राजधानी रह चुका है। छठी शताब्दी में चीनी यात्री व्हेनसांग भी यहां आया था। छठी शताब्दी में निर्मित भारत का सबसे पहले ईंटों से बना मंदिर है। यह मंदिर सोमवंशी राजा हर्षगुप्त की विधवा रानी बासटा देवी द्वारा बनवाया गया था। अलंकरण, सौंदर्य, मौलिक अभिप्राय तथा निर्माण कौशल की दृष्टि से यह अपूर्व है। लगभग 07 फुट ऊंची पाषाण निर्मित जगती पर स्थित यह मंदिर रानी बासटा, महाशिव गुप्त बालार्जुन की माता एवं मगध के राजा सूर्यबर्मन की पुत्री थी, यह अत्यंत भव्य है। पंचस्थ प्रकार का यह मंदिर गर्भगृह, अंतराल तथा मंडप से संयुक्त है। मंदिर के बाह्य भित्तियों पर कूट-द्वार बातायन आकृति चैत्य गवाक्ष, भारवाहकगर्ण, गज, कीर्तिमान आदि अभिप्राय दर्शनीय है। मंदिर का प्रवेश द्वार अत्यंत सुंदर है। सिरदल पर शेषदायी विष्णु प्रदर्शित है। उभय द्वार शाखाओं पर विष्णु के प्रमुख अवतार विष्णु लीला के दृश्य अलंकारात्मक प्रतीक, मिथुन दृश्य तथा वैष्णव द्वारपालों का अंकन है। गर्भगृह में रागराज अनंत शेष की बैठी हुई सौम्य प्रतिमा स्थापित है। पुरातात्विक नगरी सिरपुर में वैसे तो प्राय: हर तालाब और पाण्डुवंशीय काल में बड़े-बड़े मंदिरों, का निर्माण हुआ। जिनमें त्रिदेव मंदिर भी प्रमुख है। जिसका प्रवेश द्वार कम से कम दस फुट चौड़ा था। इसी दौरान सुरंग टीला पंचायतन मंदिर गंधेश्वर मंदिर के सामने बड़ा शिव मंदिर आदि का निर्माण हुआ।

सिरपुर में गंधेश्वर मंदिर महानदी के पावन तट पर है, जहां इसका निर्माण हुआ। सिरपुर गंधेश्वर मंदिर महानदी के पावन तट पर है, जहां पैदल प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु श्रावण मास में बम्महनी (महासमुंद) सेतगंगा से कांवड यात्रा कर %बोल बम% के जयकारे के साथ पैदल सिरपुर पहुंचकर भगवान गंधेश्वर में जल अर्पित करते हैं। श्रावण मास में सिरपुर भगवा रंग में रंग जाता है। यहां गंधेश्वर मंदिर जिसका संचालन पब्लिक ट्रस्ट करती है इस मंदिर की पूजा-अर्चना गोस्वामी परिवार की तीसरी पीढ़ी कर रही है। राधा-कृष्ण मंदिर एवं विभिन्न सम्प्रदाय के लोगों के यहां मंदिरों का निर्माण कराया गया है। मंदिर का संचालन एक ट्रस्ट एवं सामाजिक जनों द्वारा किया जाता है। सिरपुर महोत्सव की शुरुआत-छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के विशेष पहल पर स्थानीय लोगों की मांग पर वर्ष 2006 से सिरपुर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव से सिरपुर को राष्टीय-अंतरराष्टीय स्तर पर पहचान मिली है। महोत्सव के आयोजन के बाद से पुरातात्विक स्थलों के उत्खनन में भी तेजी आई है।

स्थलों के उत्खनन से बड़े-बड़े शिव मंदिरों सहित विशेष रूप से यहां पंचायत शैली का मंदिर मिले हैं जो कि पंचायतन शैली में निर्मित भारत का सबसे बड़ा मंदिर है। इसके अलावा बौद्धिक स्तूप और राज प्रसाद भी नए उत्खनन में मिले हैं। आकर्षण का केन्द्र ः इस गौरवशाली महोत्सव के भव्य और सफल आयोजन के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाती है। साथ ही साथ छत्तीसगढ़ी लोकगीतों और लोकनृत्यों की विभिन्न शैलियों को पूरे परंपरा के साथ मंच में प्रस्तुत किया जाता है। लोकगीत और लोकनृत्य विविध रूपों ददरिया, करमा, देवार नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी जाती है, भक्तगण मेले के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का लुत्फ उठाते हैं। कैसे पहुँचे? छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर राष्टीय 53 सड़क मार्ग द्वारा 77 कि.मी. की दूरी पर है, यहां सुगमतापूर्वक पहुंचा जा सकता है।

उज्जैन का प्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग

कहते हैं शिव के अनेक रूप हैं। शिव की आराधना करने से आपकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। श्रावण मास में तो शिव की आरधना अति फलदायी होती है। भगवान शिव देशभर में अनेक स्थानों पर ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हैं। भारत देश में 12 प्रमुख ज्योतिर्लिंग है, जिनमें से महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग है। आज हम आपको कराते हैं सैर भारत के एक ऐसे नगर की जहाँ का कण-कण भक्ति के रस से श्रृंगारित है, जहाँ हर सुबह गली-चौराहों पर हर हर महादेव के जयकारे सुनाई पड़ते हैं, जहाँ हर छोटे-बड़े गली-मुहल्लों व घरों में मंदिर ही मंदिर हैं। भगवान महाकालेश्वर के इस नगर में एक-दो नहीं बल्कि 33 करोड़ देवता छोटे-बड़े मंदिरों में विराजते हैं। भारत के हृदयस्थल मध्यप्रदेश के उज्जैन में पुण्य सलिला शिप्रा के तट के निकट भगवान शिव %महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग% के रूप में विराजमान हैं। महाराजा विक्रमादित्य के न्याय की नगरी उज्जयिनी में भगवान महाकाल की असीम कृपा है। देशभर के बारह ज्योतिर्लिंगों में %महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग% का अपना एक अलग महत्व है। कहा जाता है कि जो महाकाल का भक्त है उसका काल भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता। महाकाल के बारे में तो यह भी कहा जाता है कि यह पृथ्वी का एक मात्र मान्य शिवलिंग है। महाकाल की महिमा का वर्णन इस प्रकार से भी किया गया है - आकाशे तारकं लिंगं पाताले हाटकेश्वरम् । भूलोके च महाकालो लिंड्गत्रय नमोस्तु ते ॥ इसका तात्पर्य यह है कि आकाश में तारक लिंग, पाताल में हाटकेश्वर लिंग तथा पृथ्वी पर महाकालेश्वर ही मान्य शिवलिंग है। उज्जैन का सिंहस्थ मेला बहुत ही दुर्लभ संयोग लेकर आता है इसलिए इसका महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। इस दिन यहाँ दस दुर्लभ योग होते हैं, जैसे ः वैशाख माह, मेष राशि पर सूर्य, सिंह पर बृहस्पति, स्वाति नक्षत्र, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा आदि। उज्जैन का इतिहास- उज्जैन की प्रसिद्धि सदियों से एक पवित्र व धार्मिक नगर के रूप में रही है। लंबे समय तक यहाँ न्याय के राजा महाराजा विक्रमादित्य का शासन रहा। महाकवि कालिदास, बाणभट्ट आदि की कर्मस्थली भी यही नगर रहा। श्रीकृष्ण की शिक्षा भी यहीं हुई थी। दैवज्ञ वराहमिहिर की जन्मभूमि, महर्षि सांदीपनि की तपोभूमि, भर्तृहरि की योगस्थली, हरीशचंद्र की मोक्षभूमि आदि के रूप में उज्जैन की प्रसिद्धि रही है। उज्जैन का वर्णन कई ग्रंथों व पुराणों जैसे शिव महापुराण, स्कंदपुराण आदि में हुआ है। महाकालेश्वर मंदिर-महाकालेश्वर मंदिर एक विशाल परिसर में स्थित है, जहाँ कई देवी-देवताओं के छोटे-बड़े मंदिर हैं। मंदिर में प्रवेश करने के लिए मुख्य द्वार से गर्भगृह तक की दूरी तय करनी पड़ती है। इस मार्ग में कई सारे पक्के चढ़ाव उतरने पड़ते हैं परंतु चौड़ा मार्ग होने से यात्रियों को दर्शनार्थियों को अधिक ?परेशानियाँ नहीं आती है। गर्भगृह में प्रवेश करने के लिए पक्की सीढ़ियाँ बनी हैं। मंदिर परिसर में एक प्राचीन कुंड है। वर्तमान में जो महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग है वह तीन खंडों में विभाजित है। निचले खंड में महाकालेश्वर, मध्य के खंड में ओंकारेश्वर तथा ऊपरी खंड में श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर स्थित है। गर्भगृह में विराजित भगवान महाकालेश्वर का विशाल दक्षिणमुखी शिवलिंग है, ज्योतिष में जिसका विशेष महत्व है। इसी के साथ ही गर्भगृह में माता पार्वती, भगवान गणेश व कार्तिकेय की मोहक प्रतिमाएँ हैं। गर्भगृह में नंदी दीप स्थापित है, जो सदैव प्रज्वलित होता रहता है। गर्भगृह के सामने विशाल कक्ष में नंदी की प्रतिमा विराजित है। इस कक्ष में बैठकर हजारों श्रद्धालु शिव आराधना का पुण्य लाभ लेते हैं। मुख्य आकर्षण ः महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य आकर्षणों में भगवान महाकाल की भस्म आरती, नागचंद्रेश्वर मंदिर, भगवान महाकाल की शाही सवारी आदि है। प्रतिदिन अलसुबह होने वाली भगवान की भस्म आरती के लिए कई महीनों पहले से ही बुकिंग होती है। इस आरती की खासियत यह है कि इसमें ताजा मुर्दे की भस्म से भगवान महाकाल का श्रृंगार किया जाता है लेकिन आजकल इसका स्थान गोबर के कंडे की भस्म का उपयोग किया जाता है परंतु आज भी यही कहा जाता है कि यदि आपने महाकाल की भस्म आरती नहीं देखी तो आपका महाकालेश्वर दर्शन अधूरा है। उज्जैन का सिंहस्थ मेला बहुत ही दुर्लभ संयोग लेकर आता है इसलिए इसका महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। इस दिन यहाँ दस दुर्लभ योग होते हैं, जैसे ः वैशाख माह, मेष राशि पर सूर्य, सिंह पर बृहस्पति, स्वाति नक्षत्र, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा आदि।

धार्मिक आस्था का केंद्र-मां नर्मदा कुंड

धार्मिक आस्था का केंद्र एवं नर्मदा उद्गम स्थल कवर्धा के ग्राम झिरना और डोंगरिया में स्थित है। जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित जालेश्वर महादेव घाट पर माघ पूर्णिमा का मेला लगता है। जहां श्रद्धालु स्वयंभू-शिवलिग का जलाभिषेक करके पूजा-अर्चना करते है और वहां लगे मेले का लुत्फ उठाते है। जिला मुख्यालय से लगभग 7 किमी की दूरी पर स्थित धार्मिक व प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण पर्यटन जुनवानी का कुंड इस समय पर्यटनों को खुब लुभा रहा है। दूर-दूर से लोग विश्व प्रसिद्ध केवड़े के वृक्षों व मां नर्मदा कुंड के दर्शन करने रोज पहुंच रहे हैं। पर्यटन स्थल घोषित होने पर यहा श्रद्धालुओं की संख्या में भी इजाफा हुआ है। जिला मुख्यालय से लगभग 13 की दूरी पर स्थित पिपरिया समीपस्थ ग्राम झिरना में प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा पर मेले का आयोजन किया जाता है। जहां हजारों लोग दूर

गांव-गांव से इस पवित्र कुंड में डुबकी लगाने आते है। इसी तरह ग्राम पिपरिया से एक किमी की दूरी पर स्थित मां नर्मदा कुंड में भी लोगों की आवाजाही बनी हुई है। ज्ञात हो कि मां नर्मदा कुंड केवड़े के घने वृक्षों आच्छादित यह स्थल छत्तीसगढ़ का एक मात्र स्थान है। जहां नर्मदा कुंड में चारों ओर कई एकड़ की जमीन पर केवड़े के वृक्ष फैले हुए है। यहां पानी का स्रोत इतना अधिक है कि मात्र 5-6 फुट गड्ढा खोदने पर ही उसी जगह पानी भर जाता है। इस प्रकृति के कारण भी यह स्थल प्राचीन समय से ही लोगों के आकर्षण व श्रद्धा का केन्द्र बना हुआ है। यहां श्रद्धालुजन व प्राकृतिक प्रेमी अपने दैनिक जीवन के विभिन्न कार्यों बालक का मुंडन, संस्कार, पूजा पाठ, स्नान यज्ञ, भागवत प्रचवन, मेला धार्मिक व सांस्कृतिक कार्य होते रहते हैं। माघ पूर्णिमा, मकर संक्रांति, ग्रहण स्नान, कार्तिक स्नान आदि कई अवसरों पर मां नर्मदा कुंड में नहाने का काफी महत्व है एवं पुण्य अवसरों पर लोग यहां कुंड में डुबकी लगाकर पूजा-पाठ करने यहां आते रहते हैं। माघ पूर्णिमा के दिन यहां मातर, मड़ई का बड़ा मेला लगता है। इसका क्षेत्रवासियों को हर साल बेसब्री से इंतजार रहता है।

सार समाचार

डेढ़ माह पूर्व खोदी खाई दे रही हादसे को निमंत्रण

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप क्षेत्र के गूंगेत का मगरा आरडी 47 के पास पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई खाई हादसे को निमंत्रण दे रही है। समाजसेवी खींवसिंह सिसोदिया ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी बाप को ज्ञापन देकर बताया कि आरडी 47 के पास पाइपलाइन बिछाने का ठेका एक निजी कंपनी को दिया गया था। करीब डेढ़ माह पूर्व कंपनी द्वारा लाइन बिछाने के लिए खोदी गई खाई को अभी तक नहीं पाटा गया है। ठेका कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा ना तो पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूरा किया गया है तथा नबहीं खोदी गई खाई को वापस भरा गया है। करीब 8 से 10 फीट गहरी खाई हर पल हादसे को निमंत्रण दे रही है। सिसोदिया ने बताया कि बीती रात्रि एक गाय भी खाई में गिर गई थी, जिसे जेसीबी की मदद से बड़ी मुश्किल से बाहर निकल गया। ज्ञापन में पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई खाई को जल्द से जल्द वापस भरने की मांग की है।

केवी एंजल स्कूल के निदेशक गोदारा की अनूठी पहल

विद्यार्थियों के जन्मदिवस पर पौधा गिफ्ट कर करवाते हैं उसका रोपण, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है मुख्य लक्ष्य

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

क्रिश विएन्स एंजल स्कूल बाप के निदेशक सुरेश कुमार गोदारा ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठी पहल प्रारंभ की है। गोदारा अपने स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों के जन्मदिवस पर उन्हें पौधा गिफ्ट कर उसका रोपण विद्यार्थी के हाथों से ही करवाते हैं तथा उस पौधे की सार संभाल की जिम्मेवारी भी उसी विद्यार्थी को देते हैं। केवी एंजल स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थी स्वरूप खत्री व जया राजपूत का जन्मदिन मंगलवार को था। विद्यालय निदेशक गोदारा ने दोनों विद्यार्थियों को एक-एक पौधा गिफ्ट कर उसका रोपण विद्यालय परिसर में करवाया। इस मौके बोलते हुए विद्यालय के निदेशक सुरेश कुमार गोदारा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने अपने परिवार में आयोजित होने वाले खुशी के मौकों पर पौधरोपण अवश्य करना चाहिए। पेड़ो के बिना धरती पर जीवन संभव नहीं है। इस मौके भाजपा मण्डल बाप मीडिया प्रभारी पवन कुमार गोदारा, सुरेन्द्र सिंह बारू, मांगीलाल विश्नोई, शांति देवी बाईजी, स्वरूप खत्री, जया, रोहित सोनी आदि उपस्थित थे।

डॉ. कल्ला के सामने दस कांग्रेसी मांग रहे टिकट

बीकानेर पश्चिम के लिए 11 कार्यकर्ताओं ने मांगा टिकट, पूर्व में यशपाल सहित 21 दावेदार, कल भी आएंगे आवेदन

बीकानेर। बीकानेर में चुनावी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस ने जहां शहर की दोनों सीटों के लिए आवेदन का सिलसिला तेज हो गया है, वहीं भाजपा के बाहर से आए विधायक गली-मोहल्लों में पहुंचकर फीडबेक ले रहे हैं। कांग्रेस में बीकानेर पश्चिम में डॉ. बी.डी. कल्ला के साथ 10 अन्य ने भी टिकट के लिए आवेदन किया है। वहीं बीकानेर पश्चिम में पार्टी के 21 कार्यकर्ताओं ने चुनाव लड़ने की मंशा जताते हुए टिकट मांगा है। कांग्रेस में इस बार ब्लॉक लेवल पर आवेदन करने की बाध्यता है। बीकानेर पश्चिम के लिए अब तक शिक्षा मंत्री डॉ. बुलाकी दास कल्ला के अलावा पांच कांग्रेस कार्यकर्ता टिकट मांग चुके हैं। इनमें कांग्रेस प्रवक्ता रह चुके और वर्तमान में संगठन महासचिव नितिन वत्सस, पार्टी के नेता राजकुमार किराडू, अरुण व्यास, गोपाल पुरोहित, रवि पुरोहित, अब्दुल मजीद खोखर, आनन्द जोशी, भीखाराम कड़ेला, सुभाष स्वामी और गुलाम मुस्तफा शामिल है। इनमें डॉ. कल्ला ने सोमवार को ही अपना आवेदन सौंप दिया था। बीकानेर पूर्व सीट के लिए शहर अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने दावेदारी पेश की है। ए ब्लॉक कांग्रेस के लिए हुई बैठक में यशपाल गहलोत अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। यशपाल गहलोत के साथ ही, पूर्व यूआईटी चैयरमेन मकसूद अहमद, बाबू जयशंकर जोशी, गुलाम मुस्तफा, सुरेंद्र सिंह राठौड़, संजय आचार्य, अमीन शाह, सलीम भाटी, सलीम अहमद कलर, शांति लाल सेठिया, कर्नल शिशुपाल सिंह, शशिकांत शर्मा, सींवरी चौधरी, मनोज बिश्नोई, नगेंद्र पाल सिंह शेखावत, आनन्द सिंह सोढ़ा, बल्लभ कोचर, सुमित कोचर, गजेंद्र सिंह सांखला, सुनीता गौड़ ने भी टिकट के लिए आवेदन दिया है।

ब्लॉक स्तरीय ग्रामीण ओलंपिक खेल हुए संपन्न

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाप के खेल मैदान में आयोजित हुई ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी खेलकूद प्रतियोगिता मंगलवार को समारोह पूर्वक संपन्न हुई।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल 2023 का समापन समारोह दिनांक 22.08.2023 को राउमावि बाप के खेल मैदान में सम्पन हुआ। 6 दिन तक चली इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए समस्त खिलाडियों, शारीरिक शिक्षकों एवं आयोजको की अतिथियों द्वारा सराहना की गई। ब्लॉक स्तर पर विजेता खिलाडियों को जिला स्तर पर बेहतरीन प्रदर्षन के लिए शुभकामनाएं दी। इस प्रतियोगिता में 11 प्रकार के खेल हुए, जिसमें ब्लॉक की 36 ग्राम पंचायतो से कुल 113 टीमो के 1222 खिलाडियों ने भाग लिया। ग्राम पंचायत नेवा 6 प्रतियोगिता में विजय रही। ग्राम पंचायत बाप 2 खेलो मे विजय रही। इसके अलावा कानासर 2 खेल में विजय रही और धौलिया 1 खेल में विजय रही। विजेता खिलाडियों को ट्राफी, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंगलवार को कबड्डी व क्रिकेट के फाइनल मुकाबले खेले गए। कबड्डी के फाइनल मुकाबले में कानासर ने चारणाई को हराया तथा क्रिकेट के फाइनल मुकाबले में नेवा ने देदासरी को हराया।

महिलाओं ने मारी बाजी - राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल 2023 के ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में ग्राम पंचायत बाप की महिला वॉलिबॉल टीम ने जीत कर प्रतियोगिता अपने नाम की। महिला वॉलिबॉल टीम की कप्तान किरण दवे ने बताया की अगर चुल्हा चौका सम्भालने वाले हाथो को मौका मिले तो वो मैदान मे भी अपन हुनर दिखा सकती है। इस जीत का श्रेय उन्होने अपनी पूरी टीम को दिया। महिला वॉलिबॉल टीम में 8 खिलाडियों ने भाग लिया जिसमें किरण दवे, बेबी भाटी, कविता भाटी, कमला पालीवाल, वंदना खत्री, प्रियंका खत्री, सोनल खत्री, सावित्री शर्मा शामिल थी। महिला टीम की कोच सुमन कुमारी एवं प्रीति गोदारा ने बताया की इनकी टीम भावना एवं अनुषासन से ही जीत संभव हो सकी है और आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में टीम के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

सचिन पायलट के विजयनगर किसान सम्मेलन में आने को लेकर तैयारी जोर सोर से

जिला ब्यरो चीफ रघुनंदन पारीक अजमेर . चमकता राजस्थान . माननीय सचिन पायलट जी के नेतृत्व में विजयनगर में होने जा रहे किसान महासम्मेलन के संदर्भ में नसीराबाद विधानसभा में श्रीनगर ब्लॉक द्वारा गुर्जर धर्मशाला में मीटिंग आयोजित की गई व नसीराबाद कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष नव नियुक्त फुल चंद नागौरा जी व महिला शहर अध्यक्ष पूनम सांखला जी को नियुक्ति दी गई, व सभी को अधिक से अधिक संख्या में पहुचने को कहा, कार्यक्रम में पधारे देहात जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़ जी, पूर्व विधायक रामनारायण गुर्जर जी, पूर्व विधायक महेंद्र सिंह जी, व श्री नगर ब्लॉक अध्यक्ष संपत सिंह राठौड़ जी, नसीराबाद शहर अध्यक्ष श्री हुसेन खान जी, सेवादल विधानसभा अध्यक्ष श्री मानसिंह रावत जी, युवा नेता अशोक गुर्जर जी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह जी, व ब्लॉक पदाधिकारीगण, व सरपंचगण मौजूद रहे।

मेवाड़ यूनिवर्सिटी के हिमांशु ने किकबॉक्सिंग चैम्पियनशिप में जीता गोल्ड

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़। कोलकाता के पीएल रॉय स्टेडियम में दिनांक 18 से 21 अगस्त तक नेशनल किकबॉक्सिंग चैम्पियनशिप आयोजित हुई। इस चैम्पियनशिप में मेवाड़ यूनिवर्सिटी में बीपीईएस (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेषन) के द्वितीय वर्ष के स्टूडेंट हिमांशु सरसर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 57 किलोग्राम भार वर्ग में लो किक इवेंट में गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले हिमांशु ने सेमी फाइनल में यूपी के खिलाड़ी को हराया। फाइनल में छत्तीसगढ के खिलाड़ी के साथ कड़ा मुकाबला हुआ जिसमें उन्होंने यह गोल्ड मेडल जीता। हिमांशु की इस कामयाबी पर मेवाड़ यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया, कुलपति डॉ.आलोक मिश्रा, शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारियों व फेकल्टी ने शुभकामनाएं दी।

गोपालसर जीएसएस पर कर्मचारी को लगा झटका

बीकानेर। गोपालसर (द्वितीय) जीएसएस पर सोमवार को कार्यरत कार्मिक को बिजली सम्बंधी कार्य करते समय करंट लग गया। करंट लगने से इसी गांव में रहने वाले कार्मिक हरिसिंह भाटी (48) गंभीर रूप से घायल हो गया। आधे घंटे बाद जब किसानों को इसकी जानकारी मिली तो मौके पर पहुंचे किसानों ने घायल कार्मिक को उपचार के लिए तुरंत पीबीएम अस्पताल बीकानेर ले गए।? इस घटना के चौबीस घंटे बाद भी निगम के संबंधित अधिकारियों के मौके पर नहीं पहुंचने से आक्रोशित किसानों ने जीएसएस का घेराव कर अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।सभा के देवीसिंह भाटी ने बताया कि इस जीएसएस के सभी जीओ, ओसीबी,बीसीबी लम्बे समय से खराब पड़े हैं।

राजस्थान में बिजली कटौती से लोग परेशान

अगस्त में बारिश कम होने से बढ़ी खपत, कटौती कर किया जा रहा लोड मैनेजमेंट

चमकता राजस्थान, जयपुर।

अगस्त में मानसून धीमा पड़ने से प्रदेश में बिजली संकट खड़ा हो गया है। गर्मी बढ़ने से बिजली की डिमांड बढ़ गई है। बिजली विभाग की ओर से कटौती कर लोड मैनेजमेंट किया जा रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में बिजली कटौती की जा रही है। गांव-ढाणी के लोग बिजली कटौती से ज्यादा परेशान हैं। प्रमुख प्रशासन सचिव ऊर्जा और अध्यक्ष डिस्कॉम भास्कर ए सावंत ने बताया कि राज्य में बिजली की औसत खपत 3400 लाख यूनिट प्रतिदिन से भी ज्यादा हो गई है। बिजली की अधिकतम मांग करीब 17000 मेगावाट तक पहुंच गई है। इस बार बारिश नहीं होने से बिजली की डिमांड बढ़ गई है। डिमांड ज्यादा होने और सप्लाई कम होने की स्थिति में बिजली कटौती की जा रही है, ताकि डिमांड और सप्लाई में तालमेल बना रहे। पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के कारण औद्योगिक और नगर पालिका क्षेत्र के साथ जिला मुख्यालयों पर घोषित कटौती के अलावा ग्रामीण इलाकों में आवश्यकतानुसार एक से डेढ़ घंटे की विद्युत कटौती की जा रही है। राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के एमडी एम एम रणवा ने कहा- अप्रैल-मई में बिपरजॉय तूफान के आने की वजह से खेतों में पर्याप्त नमी मिली, जिसकी वजह से किसानों ने बुवाई का एरिया काफी बढ़ा दिया। जब फसल अगस्त से सितंबर महीने में तैयार हो जाती है तो उस समय बारिश का मौसम रहता है और खेतों में पानी भरा रहता है। इस बार अगस्त में पर्याप्त बारिश नहीं हुई, जिसकी वजह से किसान ट्यूबवेल के सहारे फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। इसकी वजह से भी लोड बढ़ा है। उन्होंने कहा- दूसरा एक बड़ा कारण यह भी है कि इस साल राज्य सरकार की ओर से कृषि कनेक्शन में भी काफी वृद्धि की गई है। इसकी वजह से पूरा लोड मैनेजमेंट सिस्टम पर पड़ा है। अगस्त से सितंबर महीने का समय पावर प्लांट्स के मेंटेनेंस का होता है, क्योंकि इस महीने में लोड कम होता है, इसलिए वार्षिक मेंटेनेंस किया जाता है। इसके चलते उत्पादन पर भी प्रभाव पड़ता है। एक से दो दिनों में छाबड़ा और अन्य पावर प्लांट्स भी शुरू हो जाएंगे, जिसके बाद उम्मीद है कि सप्लाई को हम पूरा कर पाएं। उन्होंने कहा- थर्मल पावर प्लांट से बिजली कम मिल पा रही है, जिसकी वजह से एक्सचेंज से महंगी बिजली भी खरीदनी पड़ रही है। रोजाना औसत बिजली खपत की बात करें तो 3200 लाख यूनिट प्रतिदिन में से 200 लाख यूनिट खरीदनी पड़ रही है।

जयपुर में आज शाम नहीं आएगा पानी

बीसलपुर बांध के पास पावर कट के कारण 6 घंटे बंद रहेगी सप्लाई; चारदीवारी समेत कई इलाके रहेंगे प्रभावित

चकता राजस्थान, जयपुर। जयपुर में बुधवार शाम को कई इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। बीसलपुर बांध के पास अजमेर डिस्कॉम ने 6 घंटे का पावर कट लिया है। इसके कारण बीसलपुर से जयपुर पानी की सप्लाई बंद रहेगी। चारदीवारी समेत जयपुर शहर के कई हिस्सों में शाम को होने वाली सप्लाई प्रभावित रहेगी। इसे देखते हुए जल स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) ने लोगों से आज पानी का पर्याप्त स्टॉक रखने की सलाह दी है। पीएचईडी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अजय सिंह राठौड़ ने बताया- टोंक में बीसलपुर इंटेक पम्पिंग स्टेशन के पास से गुजर रही 33 केवी की लाइन के पुराने पोल को बदलने का काम अजमेर डिस्कॉम को करना है। इस कारण डिस्कॉम ने पम्पिंग स्टेशन पर कल सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक पावर कट करने का निर्णय किया है। इस कारण पम्पिंग स्टेशन से जयपुर के लिए पानी की सप्लाई भी 6 घंटे तक बंद रहेगी। इसका असर जयपुर शहर में कल शाम को होने वाली सप्लाई पर पड़ेगा। राठौड़ ने बताया कि कल जयपुर में शाम को प्रताप नगर, सांगानेर, दुर्गापुरा, मालवीय नगर, मानसरोवर, सिविल लाईन्स, ज्योति नगर, बरकत नगर, महेश नगर, विद्याधर नगर, मुरलीपुरा, शास्त्री नगर, चारदीवारी एरिया, खो-नागोरियान, जगतपुरा, जवाहर नगर, आदर्श नगर, इंदिरा गांधी नगर, जामडोली, बापू नगर, दुर्गापुरा, संजय नगर, ऑफिसर्स कैंपस, बनीपार्क समेत कई इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी।

जयपुर शहर में 5 लाख से ज्यादा लोगों के घर कनेक्शन

राजधानी जयपुर शहर में बीसलपुर परियोजना से वर्तमान में 5.30 लाख घरों में पानी सप्लाई किया जाता है। जयपुर में 90 फीसदी आबादी बीसलपुर बांध के पानी पर ही निर्भर है। बांध से हर रोज जयपुर शहर के लिए 470 एमएलडी से ज्यादा पानी की सप्लाई होती है। इसके अलावा शेष एरिया में सरकारी और निजी ट्यूबवेल से पानी की सप्लाई की जाती है।

जयपुर में रोडवेज कर्मचारियों का अर्धनग्न प्रदर्शन

सिंधीकैंप बस स्टैंड पर शर्ट उतारकर निकाली रैली, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

जयपुर। जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड पर रोडवेज कर्मचारियों ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। राजस्थान रोडवेज के पांच श्रमिक संगठनों के संयुक्त मोर्चे की ओर से जयपुर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर प्रदर्शन किया गया। रोडवेज बचाओ संकल्प नारे के साथ शुरू हुए इस प्रदर्शन में सभी कर्मचारी अर्धनग्न होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान कर्मचारियों ने बस स्टैंड के अंदर चारों तरफ रैली निकाली और बाहर मेट्रो स्टेशन पर सभा को संबोधित किया। संयुक्त मोर्चे के संयोजक एम.एल. यादव ने बताया कि पिछले विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस के जन घोषणा पत्र में रोडवेज और इसके कर्मचारियों को आर्थिक संकट से उबारने के लिए किए चुनावी वादे को सरकार पूरा नहीं कर रही है। हम अपनी 11 सूत्री मांगों के लिए पिछले लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन न तो रोडवेज प्रबंधन और न सरकार हमारे प्रति संवेदनशील है। यादव ने बताया कि रोडवेज और कर्मचारी हित की मांगें स्वीकार नहीं होने की स्थिति में अब कर्मचारियों ने 5 सितंबर को प्रदेश व्यापी हड़ताल का ऐलान किया है, लेकिन सरकार ने इस हड़ताल को रोकने के लिए रेस्मा का उपयोग कर दिया। यादव ने कहा कि देश में लोकतंत्र की रक्षा की बात करने वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार अगर नौकरशाही की सलाह पर रोडवेज कर्मचारियों के लोकतांत्रिक तरीके से चल रहे आंदोलन को दबाती है तो यह उनके दोहरे चरित्र को उजागर करेगा। यादव ने कहा कि सरकार और रोडवेज प्रबंधन को खुले दिल से संयुक्त मोर्चे के साथ बातचीत करके उनकी मांगों को स्वीकार करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य निजी स्वार्थों की पूर्ति करना नहीं बल्कि भविष्य में रोडवेज के अस्तित्व को बनाए रखना है।

आम सूचना

आमजन को सूचित किया जाता है कि मैं मूलचंद पुत्र श्री किशनलाल माली निवासी नोख की ओर से सर्व साधारण वित्तीय एवं गैर वित्तीय संस्थान आदि को सूचित किया जाता है कि ग्राम नोख में आवासीय प्लाट साईज 3095 वर्ग फीट बुक नंबर 67 पट्टा क्रमांक 112 दिनांक 06/06/1988 एवं पट्टा पंजीयन का दस्तावेज उप पंजीयक कार्यालय पोकरण में दिनांक 08/12/15 को पुस्तक संख्या 01 क्रम संख्या 2015004713 पर पंजीबद्ध है तथा दोनों मूल दस्तावेज लेमिनेशन से कवर किये हुए है व उक्त संपत्ति से एसबीआई शाखा नोख से पूर्व में ऋण प्राप्त किया हुआ है एवं उसमें वृद्धि करवाना चाहता हूं। उक्त भूखंड बाबत किसी को किसी भी तरह का एतराज हो तो 7 दिन में संपर्क करें। उसके बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

मूलचंद पुत्र श्री किशनलाल माली
नोख। मोबाइल 9828930204
दिनांक - 21-08-2023

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवम 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली न.6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक: अभय सिंह चौहान,
मोबाइल: 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)